देशबन्धु

वर्ष –10 I अंक–42 I सागर, सोमवार 31 मार्च 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 3.00 रुपए

नवरात्रि पर्व पर विशेष: 64 योगिनी धाम पनारी में मेला, विशालकाय वट वृक्ष है आस्था और पर्यटन का केंद्र पृष्ठ 2

गुड़िया भी सिवंइयां भी : देश की तरक्की की दुआएं भी ! क्या तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक एक बार फिर भाजपा के साथ गठबंधन करेगी? पृष्ठ 4

सरकारी खजाने को ठिकाने लगा रहे सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक पृष्ठ 6

लकड़ी टाल में लगी आग, 15 फीट ऊंची उठीं आग की लपटें पृष्ठ 8

सार-समाचार

आज देशभर में मनाई जाएगी ईद

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में रमजान के पवित्र महीने की समाप्ति के साथ सोमवार को ईद उल फितर का त्योहार मनाया जाएगा। दिल्ली के जामा मस्जिद स्थित फतेहपुरी मस्जिद के इमाम मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने कहा, ईद का चांद रविवार देर शाम दिख गया है इसलिए त्योहार सोमवार को मनाया जाएगा। अहमद ने कहा, मस्जिद की रुएत ए हिलाल कमेटी ने कई जगहों पर संपर्क कर उन्हें सूचित किया है कि अलग-अलग जगहों पर चांद देखा गया है। अहमद ने कहा, इस अवसर पर हम प्रार्थना करते हैं कि देश में सौहार्द और भाईचारा प्यार के साथ बढ़ता और मजबूत होता रहे। रमजान के बाद ईद का त्योहार दुनिया के विभिन्न देशों में अलग-अलग दिनों में चांद दिखाई देने के अनुसार मनाया जाता है।

अब इधर-उधर जाने का सवाल ही नहीं

पटना, एजेंसी। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर सभी दलों ने अपनी-अपनी तैयारी शुरू कर दी है। चुनाव से पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह फिलहाल बिहार के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर भाजपा को भरोसा दिया कि अब वह कभी इधर-उधर नहीं जाएंगे, बल्कि एनडीए में बने रहेंगे। दरअसल, पटना के बापू सभागार में सहकारिता विभाग के एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुए।

म्यांमार में भूकंप के बाद मरने वालों की संख्या 17 हजार हुई

यांगून, एजेंसी। म्यांमार में आए भूकंप में लगभग 1,700 लोग मारे गए, 3,400 घायल हुए तथा 300 लोग लापता हैं। देश की राज्य प्रशासन परिषद ने रविवार को यह जानकारी दी। चीनी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने शनिवार को म्यांमार सरकार के आंकड़ों का हवाला देते हुये कहा कि म्यांमार में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके बंगलादेश, भारत, लाओस, चीन और थाईलैंड में महसूस किए गए। स्थानीय अधिकारियों ने दिन में पहले बताया कि भूकंप से भूमिगत तेल पाइपलाइनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि बिजली की लाइनें भी कट गई हैं और ईंधन की कमी को कम करने के लिए तेल के टैंकर देश के तटों पर पहुंच रहे हैं।

उत्तर पश्चिम भारत में आज से बढ़ेगी गर्मी

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले दो दिनों से उत्तर भारत में तेज सहती हवाएं चलने से मौसम में नमी आ गई है, लेकिन आज से उत्तर पश्चिम भारत में फिर गर्मी बढ़ेगी और अधिकतम तापमान में 4-6 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो सकती है। उत्तर पश्चिम भारत में शनिवार को भी अधिकतम 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। वहीं, जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत के मेघालय और दक्षिण के केरल तक कुछ स्थानों पर हल्की व मध्यम बारिश हुई। वहीं, हरियाणा के पंचकूला में बादल छाए रहे।

सीबीआई कोर्ट ने पूर्व उप डाकपाल को 5 साल की सजा सुनाई

विशाखापत्तनम, एजेंसी। सीबीआई की विशेष अदालत ने आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के पूर्व उप डाकपाल बोत्सा पेडा रामा राव को मनरेगा मजदूरी में फर्जीवाड़ा करने और सरकारी धन के गबन के मामले में 5 साल की जेल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उस पर 37.12 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह फैसला विशाखापत्तनम की विशेष सीबीआई कोर्ट ने सुनाया। सीबीआई ने इस मामले की शुरुआत 23 मई 2016 को की थी, जब बोत्सा के खिलाफ केस दर्ज किया गया। आरोप था कि उप डाकपाल ने 11 जुलाई 2010 से 12 अक्टूबर 2015 तक उत्तरावल्ली और डोनकिनावालासा के उप डाकघरों में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए धोखाधड़ी की। बोत्सा ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मजदूरी वितरण में हेराफेरी की।

कटक में नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास हादसा हुआ

कामाख्या एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतरे

- हादसे में 1 की मौत, 8 घायल
- बेंगलुरु से असम जा रही थी ट्रेन

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में कामाख्या एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। कटक में नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास यह हादसा हुआ है। दुर्घटना में एक शख्स की मौत हुई है, जबकि आठ यात्री घायल हुए हैं। ट्रेन के पटरी से उतरने के मामले में जिलाधिकारी (डीएम) दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे ने कहा, 'घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, 8 लोग घायल हैं। जिन घायलों को रेफर करने की जरूरत थी और उन्हें बेहतर इलाज के लिए स्थानांतरित किया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

ट्रेन संख्या 12251 बेंगलुरु से असम के गुवाहाटी के कामाख्या स्टेशन जा रही थी। दुर्घटना के कारण का अब तक पता नहीं चल सका है। रेलवे प्रशासन ने बताया है कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए नई ट्रेन का बंदोबस्त किया गया है। इस हादसे के बाद नीलाचल एक्सप्रेस, धौली एक्सप्रेस, पुरुलिया एक्सप्रेस का रूट डायवर्ट कर दिया गया है। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है. मेडिकल टीम, एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड कर्मचारी रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हुए हैं। रेलवे ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं ताकि प्रभावित यात्रियों को किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त हो सकें। भुवनेश्वर के लिए हेल्पलाइन नंबर 8455885999 और कटक के लिए हेल्पलाइन नंबर 8991124238 उपलब्ध हैं।

हिमाचल प्रदेश में बड़ा हादसा

गाड़ियों पर गिरा पेड़, 6 की मौत

हिमाचल प्रदेश की धार्मिक नगरी मणिकर्ण में नव संवत के दिन एक दर्दनाक हादसा हो गया। कायल का एक पेड़ तेज हवा के चलते नीचे खड़ी गाड़ियों पर गिर गया। पेड़ गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई है। मृतकों में कुछ पर्यटक भी शामिल हैं। घायलों को कुल्लू अस्पताल लाया जा रहा है। फिलहाल, मरने वालों की पहचान की जा रही रही है।

बीजापुर में 50 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर, देशबन्धु। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में रविवार को 68 लाख रुपये के इनाम की घोषणा वाले 13 नक्सलियों समेत कुल 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन और अन्य माओवादी संगठनों के सदस्य शामिल थे।

आत्मसमर्पण करने वालों में 02 प्लाटून सदस्य, मिलिशिया सदस्य, और अन्य प्रमुख माओवादी संगठन के सदस्य थे। पुलिस अधीक्षक डॉ. जीतेन्द्र यादव और डीआईजी सीआरपीएफ देवेंद्र सिंह नेगी मीडिया कर्मियों से इसे लेकर जानकारी साझा की। पुलिस अधीक्षक डॉ. जीतेन्द्र यादव ने कहा कि यह आत्मसमर्पण माओवादी संगठन से मोहभंग का संकेत है। विभिन्न नक्सली समूहों के सदस्यों ने एक साथ आत्मसमर्पण किया है, जिनमें पीएलजीए के सदस्य, जनताना सरकार के अध्यक्ष, केएएमएस अध्यक्ष, सीएनएम सदस्य और अन्य महत्वपूर्ण नेता शामिल हैं। डॉ. यादव ने इस सफलता का श्रेय बीजापुर पुलिस, डीआरजी, सीआरपीएफ, एसटीएफ और अन्य सुरक्षा बलों को दिया।

नक्सलियों का मनोबल टूटा : पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इनकी लगातार बढ़ती नक्सल विरोधी कार्रवाई और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की विकास योजनाओं के प्रभाव से नक्सलियों का मनोबल टूटा है और अब वे मुख्यधारा से जुड़ने के लिए आत्मसमर्पण कर रहे हैं। 1 जनवरी 2024 से अब तक छत्तीसगढ़ में कुल 656 माओवादी गिरफ्तार किए गए हैं, 346 ने आत्मसमर्पण किया है, और 141 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए हैं। 2025 में अब तक 157 माओवादी गिरफ्तार हुए हैं और 157 ने आत्मसमर्पण किया, वहीं 83 माओवादी मुठभेड़ में मारे गए। उन्होंने अपील की कि जो माओवादी अभी भी आंदोलन में शामिल हैं, वे सरकार की आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाएं, ताकि वे शांति से जी सकें।

गृह मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

मणिपुर, नगालैंड व अरुणाचल में अफस्पा बढ़ाया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को मणिपुर के पूरे क्षेत्र में लागू कर दिया है, हालांकि 13 पुलिस थाना क्षेत्रों को इससे बाहर रखा गया है। इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश के तीरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों तथा राज्य के तीन पुलिस थाना क्षेत्रों में भी अफस्पा को अगले छह महीनों के लिए बढ़ा दिया गया है। वहीं नगालैंड में भी अफस्पा का विस्तार किया गया है। इसे आठ जिलों और राज्य के अन्य पांच जिलों के 21 पुलिस थाना क्षेत्रों में लागू किया गया है। यह विस्तार अगले छह महीनों के लिए प्रभावी रहेगा।

गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा मणिपुर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के बाद सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम, 1958 की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पांच जिलों के 13 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों को छोड़कर पूरे मणिपुर में 1 अप्रैल 2025 से अगले छह माह तक, यदि इस घोषणा को इससे पहले वापस न लिया जाए, 'अशांत क्षेत्र' के रूप में घोषित किया जाता था।

इन इलाकों में अफस्पा लागू नहीं होगा

मणिपुर के जिन पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में अफस्पा लागू नहीं किया गया है। उनमें इंफाल, लाम्फाल, सिटी, सिंगजामी, पाटसोई, वांगोई, पोरोम्पट, हिंगांग, इरिलबुंग, थौबल, बिष्णुपु, नाम्बोल और काकचिंग शामिल हैं।

मणिपुर में 3 उग्रवादी गिरफ्तार

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग हिस्सों से तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। प्रतिबंधित पीआरईपीएके (प्रो) के एक सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के खुरकुल से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान निंगथौजम बोबॉय सिंह उर्फ खोंगनांगथाबा (37) के रूप में हुई। प्रतिबंधित केसीपी के एक सदस्य को इंफाल पूर्व जिले के सावोमबंग में उसके घर ■ शेष पृष्ठ 5 पर

विक्रम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को दी डी-लिट की मानद उपाधि

जीवन में सफलता के लिए कठोर अनुशासन की आवश्यकता : राज्यपाल

उज्जैन/भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीक्षांत समारोह वास्तव में सेवा के संकल्प का समारोह है। जीवन में सफलता के लिए कठोर अनुशासन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, धर्म, साहित्य, संस्कृति, विज्ञान और व्यापार के क्षेत्रों में भारत के मानचित्र पर उज्जैन की अपनी विशिष्ट पहचान है।

श्री पटेल आज विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के 29 वे दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और हार्टफुलनेस संस्था के संस्थापक कमलेश पटेल को विश्वविद्यालय द्वारा डी-लिट की मानद उपाधि प्रदान की गई। साथ ही 70 विद्यार्थियों को उपाधि, 99 को मेडल और 2 शोधार्थियों को डी-लिट उपाधि प्रदान की गई। श्री पटेल ने कहा कि दीक्षित होने वाले विद्यार्थी अपने माता-पिता और गुरुजनों का आजीवन सम्मान करें, तभी हम अपने समाज और राष्ट्र की सेवा कर सकेंगे और हमारा जीवन बेहतर होगा। एक अच्छे और जिम्मेदार नागरिक बनकर हम अपने देश की प्रगति में योगदान दे सकेंगे। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि आज जिन विद्यार्थियों को दीक्षित किया जा रहा है, वे सभी अपने ज्ञान का सदुपयोग समाज और देश की सेवा में करें। एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करें। इसके पहले विश्वविद्यालय के कुलगुरु आचार्य अर्पण भारद्वाज और कुल सचिव अनिल शर्मा ने कार्यक्रम में मौजूद राज्यपाल और मुख्यमंत्री का स्वागत पुष्प-गुच्छ, शॉल, अश्वगंधा का पौधा और स्मृति चिन्ह भेंट कर किया।

मुख्यमंत्री ने की घोषणा

विक्रम विवि अब सम्राट विक्रमादित्य विवि के नाम से जाना जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विक्रम विश्वविद्यालय का नाम सम्राट विक्रमादित्य करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि माधव विज्ञान महाविद्यालय के परिसर में शीघ्र ही विशाल सभागार बनाया जाएगा। डॉ. यादव ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई है, वे अपनी प्रतिभा का उपयोग अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए करें। समाज-सेवा और राष्ट्र की सेवा करें। डॉ. यादव ने उज्जयिनी के गौरव दिवस और विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह की बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने के साथ अन्य उपलब्धियां अर्जित की हैं। यह उपलब्धियां विद्यार्थियों के ज्ञान और विद्या के साथ उनका उत्तरदायित्व भी बढ़ाती हैं। विद्यार्थियों के लिए भविष्य की अनेक संभावनाएं विद्यमान हैं।

कल से बदल जाएंगे आयकर से जुड़े कई नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। नया वित्त वर्ष शुरू होने में 48 घंटे से भी कम का समय बचा हुआ है। इसके साथ ही इनकम टैक्स से जुड़े कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आम बजट 2025 में कई अहम ऐलान किए गए थे, जो कि एक अप्रैल से लागू हो रहे हैं, जिनका सीधा असर वेतन पाने वाले लोगों की जेब पर पड़ेगा। इन नए नियमों में इनकम टैक्स में अधिक छूट से लेकर टीडीएस नियमों में हुए बदलाव शामिल हैं। वित्त मंत्री द्वारा बजट में नई टैक्स रिजीम के तहत इनकम टैक्स में बढ़ाई गई छूट एक अप्रैल से लागू हो रही है। अब 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले लोग इनकम टैक्स छूट के दायरे में आएंगे। पहले यह आंकड़ा 7 लाख रुपए पर था।

इसके अलावा, अगर वेतन पाने वाले लोगों को मिलने वाली 75,000 रुपए की स्टैंडर्ड डिडक्शन की छूट को मिला जाए तो इनकम टैक्स में छूट बढ़कर 12.75 लाख रुपये हो जाती है। हालांकि, इनकम टैक्स छूट में कैपिटल गेन को शामिल नहीं किया गया है। इस पर अलग से टैक्स लगाया जाएगा। सरकार ने नई टैक्स रिजीम के तहत नए टैक्स स्लैब भी पेश किए हैं, जबकि पुरानी टैक्स रिजीम में किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं किया गया है । अब नई टैक्स रिजीम के तहत 4 लाख रुपए तक की आया इनकम टैक्स-फ्री होगी, जबकि 4 लाख रुपए से 8 लाख रुपए के बीच की इनकम पर 5 प्रतिशत टैक्स लगेगा। इनकम बढ़ने के साथ टैक्स की दरें धीरे-धीरे बढ़ती जाएंगी और 24 लाख रुपए से अधिक इनकम पर यह 30 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। केंद्र सरकार ने बजट में सेक्शन 87ए के तहत मिलने वाली टैक्स छूट को 25,000 रुपए से बढ़ाकर 60,000 रुपए कर दिया है, जिससे नई टैक्स रिजीम में 12 लाख रुपए तक की आय टैक्स-फ्री हो जाएगी। बैंक जमा पर मिलने वाले ब्याज पर टीडीएस कटौती की सीमा को 40,000 रुपये ■ शेष पृष्ठ 5 पर

मोदी ने आरएसएस को जमकर सराहा, बोले-

जहां सेवा कार्य, वहीं स्वयंसेवक

माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और इसके स्वयंसेवकों को जमकर सराहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है। ये अक्षय वट आज भारतीय संस्कृति को हमारे राष्ट्र की चेतना को निरंतर ऊर्जावान बना रहा है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जहां भी सेवा कार्य किया जा रहा है, वहां स्वयंसेवक हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र यज्ञ के इस पावन अनुष्ठान में मुझे आज यहां आने का सौभाग्य मिला है। आज चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का ये दिन बहुत विशेष है। आज से नवरात्रि का पवित्र पर्व शुरू हो रहा है। देश के अलग अलग कोनों में आज गुड़ी पड़वा, उगादी और नवरेह त्योहार भी मनाया जा रहा है। आज भगवान झूलेलाल जी और गुरु अंगद देव जी का अवतरण दिवस भी है। ये हमारे प्रेरणापुंज परम पूज्यनीय डॉ साहब की जयंती का भी अवसर है। इसी साल आरएसएस की गौरवशाली यात्रा का 100 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। आज इस अवसर पर मुझे स्मृति मंदिर जाकर पूज्य डॉ. साहब और पूज्य गुरुजी को श्रद्धांजिल अर्पित करने का सौभाग्य मिला है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्मृति मंदिर का दौरा किया। इस दौरान पीएम मोदी ने संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार और द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर ■ शेष पृष्ठ 5 पर

कश्मीरियों ने रमजान में बनाया नया रिकॉर्ड

30 करोड़ के खजूर, 72 करोड़ के तरबूज खाए

• सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, देशबन्धु। यह रमजान कश्मीर के लोगों के लिए पिछले साल की तुलना में बहुत फलदायी रहा है क्योंकि कश्मीर वासियों ने रिकार्ड मात्रा में खजूर और फल विशेष रूप से तरबूज और केला खाया। कश्मीर के लोगों ने 30 करोड़ रुपये के खजूर, 72 करोड़ रुपए से अधिक के तरबूज और 65 करोड़ रुपये के केले खाए, जो हाल के वर्षों में एक रिकॉर्ड है। कश्मीर घाटी फल उत्पादक-सह-डीलर संघ द्वारा संकलित डेटा से संकेत मिलता है कि श्रीनगर के परिमपोरा में सबसे बड़ी फल मंडी में महीने के दौरान हर दिन 60 ट्रक तरबूज की आमद हुई।

65 करोड़ के केले भी खाए

संघ के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर बताते थे कि प्रत्येक ट्रक की कीमत लगभग 4 लाख रुपये है, जिसका मतलब है कि कश्मीर के लोगों ने इस रमजान में 72 करोड़ रुपए के तरबूज खाए। बशीर के बकौल, पिछले साल, ऐसी अफवाहें फैलीं कि तरबूजों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए उनमें रसायन मिलाए जा रहे हैं, जिससे बिक्री कम हुई। हालांकि, इस साल हमने रिकार्ड बिक्री देखी है।

खजूर के बारे में बशीर कहते थे कि कश्मीरियों ने रमजान के 28 दिनों के दौरान 25 करोड़ रुपये से 30 करोड़ रुपए के खजूर खाए। उन्होंने बताया कि यह भी एक रिकार्ड है। लोगों ने इस रमजान में बड़ी मात्रा में मेजदूल, अजवा, कलमी और अन्य सहित कई तरह के खजूर खाए हैं। जबकि परिमपोरा मंडी में भी इस साल केले के ट्रकों की रिकॉर्ड संख्या देखी गई। बशीर के मुताबिक, मंडी में रोजाना केले के 30 ट्रक आते हैं, जिनमें से प्रत्येक ट्रक की कीमत 6 लाख रुपए से 7 लाख रुपए होती है। इसका मतलब है कि कश्मीर ने रमजान के दौरान 64 करोड़ रुपये के केले खाए। तरबूज और केले के अलावा, अंगूर और खरबूजे भी बड़ी मात्रा में खाए गए। बशीर द्वारा मुहैया जानकारी के मुताबिक, मंडी में रोजाना 30 ट्रक तरबूज आते हैं, इस महीने में कुल 900 ट्रक तरबूज आए हैं। प्रत्येक ट्रक की कीमत 5 लाख रुपए है। अंगूर भी बराबर मात्रा में खाए गए। बशीर ने इस रमजान में फलों की खपत के रुझान में बदलाव की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि इस सीजन में पपीते की मांग बहुत अधिक रही, मंडी में रोजाना लगभग दस ट्रक तरबूज आते हैं। प्रत्येक ट्रक ■ शेष पृष्ठ 5 पर

नवरात्रि पर्व पर विशेषः 64 योगिनी धाम पनारी में मेला, विशालकाय वट वृक्ष है आस्था और पर्यटन का केंद्र

देवरीकलां, देशबन्धु। जिले की देवरी जनपद क्षेत्र के अंतर्गत एनएच 44 पर ग्राम महाराजपुर से 2 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत पनारी में एक अद्वितीय विशाल काय वटवृक्ष बरगद का पेड़ है जो लगभग चार-पांच एकड़ में फैला हुआ है। जिसमें हजारों शाखायें निकली हुई है। इसे भी लोग माता का स्वरूप मानते हैं। और उसकी पूजा करते हैं। जिसके नीचे 64 योगिनी धाम बसा हुआ है। जहां पर माता अनेक स्वरूपों में विराजमान है। वहीं पर शंकर जी और त्रिपुरसुंदरी माता मंदिर हैं। मां 64 योगिनी धाम में मंदिर परिसर के बीच में बहने वाला दूधिया पानी का झरना भी धार्मिक क्षेत्र की सुंदरता मैं चार चांद लगा देता है। वैसे तो यहां पूरे साल पर्यटक और दर्शनार्थी माता के चरणों में शीश नवाकर उनसे मनोकामना मांगते हैं तथा पूजन, भंडारा आदि करके उत्सव मनाते हैं तथा मनोकामना पूरी होने पर मां को घंटा चढ़ाकर वटवृक्ष की डाली पर बांधकर मन्नत पूरी होने की निशानी छोड़ते हैं। वहां पर बट वृक्ष की शाखाओं में हजारों की संख्या में छोटे-बड़े सभी तरह के घंटों का बंधा होना भी आकर्षण का केंद्र है। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा अनुसार दान तथा भंडारा भी करते हैं। धार्मिक उत्सव जैसे होली, दिवाली, रक्षाबंधन, नव वर्ष, संक्रांति पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। श्रद्धालु माता के धाम में भरता

बाटी भोजन बनाकर माता को भोग लगाकर प्रसाद के रूप में अपने मित्रों और परिवार सहित खाते हैं। पूर्व में यहां पर कई वर्षों तक लगातार 64 योगिनी 64 हवन कुंड का निर्माण कर वार्षिक यज्ञ का आयोजन किया जाता था। नवरात्रि पर साल में दो-तीन बार श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ भी देखी जाती है। नवरात्रि में 64 योगिनी धाम में मेले का आयोजन होता है। नवरात्रि पर परमा पर जबारे बोये जातें हैं जिनका विसर्जन दसवें दिन को किया जाता है। जिसमें आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोग बुंदेली लोकगीत भगतें गाकर अपने धार्मिक उत्सव को मानते हैं और आनंद लेते हैं। पूजन, हवन, यज्ञ आदि अनुष्ठानों से आसपास के क्षेत्रों का वातावरण धर्ममय हो जाता है। स्थानीय क्षेत्र की महिलायें और बच्चे नवरात्रि के समय मां 64 योगिनी धाम में कई किलोमीटर पैदल चलकर जल समर्पित कर पूजन अर्चन करते हैं और मन्नत मांगते हैं। बट वृक्ष कितना पुराना है यह कोई नहीं बता सकता। 64 योगिनी धाम का पूजन अर्चन और धाम की व्यवस्थायें पं. द्वारका प्रसाद वैध के सानिध्य में पं. उमाकांत वैध द्वारा की जा रही है। वैध परिवार द्वारा पूजन अर्चन आदि कार्य कई पीढियां से किया जा रहा है। मंदिर कमेटी का भी गठन किया गया है जिसमें स्थानीय लोग शामिल हैं और जिसका मार्गदर्शन और आशीर्वाद ब्रह्मलीन जगतगुरु आदि शंकराचार्य स्वरूपानंद संस्थापक शारदा पीठ झोंतेश्वर गोटेगांव द्वारा किया गया था, बाद में स्थानीय लोगों की धार्मिक क्षेत्र के प्रति अथक रुचि ना होने एवं शासन प्रशासन द्वारा पर्यटक और सिद्ध धर्म क्षेत्र को नजर अंदाज करने के कारण 64 योगिनी धाम में विकास तो नहीं हुआ लेकिन इतने लंबे समय अंतराल में इस क्षेत्र की धार्मिक मान्यता में अत्यधिक विस्तार हुआ है जिसकी झलक त्योहारों पर श्रद्धालुओं की उपस्थित मैं नजर आती है।

मन की बात, जनप्रतिनिधियों ने सुनी

देवरीकलां, देशबन्धु। रविवार को प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को देवरी नगर के समाजसेवी संदीप जैन बबलू सिनेमा के निवास तिलक वार्ड के बूथ क्र. 184 वे पर भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष रानी कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष भारतेन्दु मोंटू सिंह राजपूत, जिला मंत्री प्रीतम सिंह, नपा उपाध्यक्ष नहीम खान, पूर्व जनपद अध्यक्ष अनीता राकेश मिश्रा के साथ संदीप जैन बबलू सिनेमा ने पार्षद, पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के साथ सुना एवं उनका ओजस्वी मार्गदर्शन प्राप्त किया। राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने वाला यह कार्यक्रम सामाजिक चेतना का ऐसा सशक्त माध्यम बन चुका है, जिसे प्रधानमंत्री ने घर-घर और जन-जन तक पहुंचाया है। यह कार्यक्रम सदैव हम सभी को राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा, समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागी बनने का मार्ग प्रशस्त करता है। इस अवसर पर पार्षद उमेश पलिया, संजय चौरसिया, काशीराम पटेल, सुनील रिछारिया, नारायण वाल्मीकि, दिलीप कोस्टी, परशुराम साहू, देवेंद्र सिंह लोधी, मंजू पटेल, अंशुल शुक्ला, राम राजपूत सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झूलेलाल जयंती पर निकली शोभायात्रा, सिंधी समाज की दुकानें बंद रही

सागर, देशबन्धु। वरुण अवतार झूलेलाल जयंती के अवसर पर सुबह 5 बजे जय माता दी झूलेलाल शरण मंडली के संस्थापक लालाराम मेठवानी द्वारा प्रभात फेरी निकली गई जो पूरे सिंधी कॉलोनी का भ्रमण कर सुबह 7 बजे झूलेलाल मंदिर पहुंची, प्रभात फेरी का सिंधी समाज के घरों की महिलाओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। महिला मंडल अध्यक्ष दिया राजपूत सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल थे। सुबह 9 बजे से श्री झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष सुशील लहरवानी व सदस्यों द्वारा बहराणा साहिब की सवारी सिंधी कॉलोनी में निकाली गयी। जो पूरे सिंधी कॉलोनी से होकर वापस झूलेलाल मंदिर पहुंचे। इसके बाद अखंड पाठ का समापन हुआ। सिंधु संस्कार समिति के राजेश मनवानी ने बताया की सुबह 12 बजे अखण्ड पाठ साहब का समापन लखमीचंद मनवानी ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील लहरवानी, सचिव अशोक बुधवानी, परमानद पंजवानी व समस्त ट्रस्ट के पदाधिकारी व सिंधी समाज ने अखंड पाठ साहब की आरती कर अरदास की और कहा कि समस्त सिंधी समाज पर भगवान् झूलेलाल की कृपा बनी रहे, वरुण अवतार

भगवान झूलेलाल केवल सिंधी समाज के देवता नहीं बल्कि हिन्दुओ के भी देवता है। दोप 1 बजे से विशाल लंगर हुआ जिसमे सभी धर्मो के लोगो ने लंगर का स्वाद चखा। शाम 4. 30 पर श्री झूलेलाल मंदिर से अखण्ड ज्योति की विशाल शोभायात्रा निकाली गयी। जिसमे रथ पर बहराणा साहिब की सवारी के साथ सिंधी समाज के लोग प्रसाद वितरण करते चल रहे थे। शोभायात्रा जैसे ही राधा तिराहे पहुंची आयो लाल झूलेलाल के जयघोष के साथ समाज के आलावा सिख समाज के लोगो ने प्रसाद का वितरण किया और एकता समिति के अब्दुल रसीद भाई चम्पक अपने समिति के सदस्यों के साथ शोभायात्रा का स्वागत किया। गुजराती बाजार, शास्त्री मार्किट एसोसिएशन एवं शिवसेना ने भी प्रसाद का वितरण किया। गुजराती बाजार में मनवानी फिल्म्स ने शोभायात्रा का स्वागत किया। इस मौके पर राजेश मनवानी, कैलाश देवलिया, डॉ. सुरेशचंद रावत, उमेश समैया, एड. महेश नेमा, अनिल गंगवानी उपस्थित थे। इसके बाद शोभायात्रा कटरा मस्जिद, तीनबत्ती से होकर चकराघाट शाम 7. 30 बजे पहुंची जहां से सिंधी समाज के वरिष्ठ जन नाव में बैठकर तालाब के बीचो बीच जाकर अखण्ड ज्योति को विसर्जित किया। रात्रि 9 बजे जय माता दी झूलेलाल शरण मंडली के लालचंद मेठवानी की और से झूलेलाल मंदिर में केक काटा गया और प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ। इस मौके पर लालाराम मेठवानी, वीनू आहूजा, प्रेमचंद प्रथ्यानी, दिया राजपूत, दिपांशु नागदेव, मोनिका मेठवानी उपस्थित थी। सिंधु संस्कार समिति के सदस्यों सुरेश मोहनानी, अनिल जसवानी, निर्मल भोले, सुनील मनवानी ने सभी सिंधी कॉलोनी वासियों से निवेदन किया की सभी अपने अपने घरों के बाहर दिये जलाकर नव वर्ष का स्वागत करें।

निजी स्कूलों द्वारा फीस निर्धारण संबंधित मामलों की जांच अधिनियम और नियम के अनुसार करायी जाए : पालक महासंघ

सागर, देशबन्धु। मप्र पालक महासंघ द्वारा जिले के निजी स्कूलों के विरुद्ध चलाये जा रहे सत्याग्रह को आंशिक सफलता तब मिली जब जिलाधीश ने सागर में तीन दिवसीय पुस्तक मेला लगाने की घोषणा की इससे किताबें कापी तथा अन्य पाठ्य सामग्री को अभिभावक कम दाम में खरीद सकते हैं साथ ही जिलाधीश ने किसी विशेष दुकान से पाठ्य सामग्री खरीदने पर बाध्य करने पर कार्यवाही करने को कहा है। अभी तक पालक महासंघ ने जिला शिक्षा अधिकारी, जिलाधीश, विधायक, बाल अधिकार संरक्षण आयोग भोपाल और न्यायालय के समक्ष मप्र निजी विद्यालय फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन अधिनियम 2017 तथा नियम 2020 के सभी प्रावधानों को एवं सीबीएसई के नियम, सर्कुलर को सागर जिले में प्रभावी तरीके से लागू न होने की शिकायत दर्ज करायी है। पालक महासंघ के डॉ. धरणेन्द जैन, रामदास राज, जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष अंकलेश्वर दुबे, पालक संघ के अरविंद जैन रवि, योगेश श्रीवास्तव, भरत तिवारी ने संयुक्त रूप से बताया है कि उक्त अधिनियम, नियम एवं सीबीएसई द्वारा जारी नियम, परिपत्रों के सभी प्रावधान लागू कराने हेतु एवं अभिभावकों तथा छात्रों, छात्राओं के हित में सत्याग्रह निरंतर जारी रहेगा क्योंकि फीस निर्धारण संबंधित विषयों की जांच भी उक्त अधिनियम और नियम के अनुसार आवश्यक है। अभी जिले के सभी जनप्रतिनिधियों के समक्ष पत्र के माध्यम से शिकायत दर्ज करायी जा रही है।

जनसेवक मनी सिंह गुरोंन ने 2 कन्यादान करने का लिया था संकल्प एक हुआ पूर्ण

सागर, देशबन्धु। नवरात्र में कन्या पूजन करना या कन्याओं का सम्मान करना पुण्य कार्य का सूचक माना जाता है और यह परंपरा सनातन धर्म में सदियों से चली आ रही है, अगर नवरात्र में किसी कन्या का विवाह कराया जाये या कन्यादान किया जाये तो यह भी किसी बड़े पुण्य कार्य से कम नहीं है हम ऐसा इसलिये कह रहे हैं क्योंकि समाजसेवी और सतनाम वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष मनी सिंग द्वारा कुछ समय पहले दो कन्याओं के विवाह और कन्यादान करने का संकल्प लिया गया था। यह संकल्प मनी सिंग द्वारा अपनी मां त्रपत कौर के उत्तम स्वास्थ्य की कामना को लेकर किया गया था, जिसे उन्होंने पूरा करते हुये नवरात्रि के प्रथम दिवस एक कन्या का विवाह और कन्यादान कर संकल्प पूर्ति की ओर कदम बढ़ाया है, ग्राम भैंसा की अमरदास कॉलोनी स्थित गुरुद्वारे से इस पुण्य कार्य को किया गया, जनसेवक मनी सिंग द्वारा कन्या के विवाह में प्रयुक्त होने वाली आवश्यक वस्तुओं के अलावा वर वधु के कपड़े की भी व्यवस्था कराई गई है, उनके इस पुण्य कार्य में मनी सिंग के अलावा अहलूवालिया परिवार और अन्य सिक्ख समाज के लोगों का सहयोग रहा है, यहां तक की दूल्हा दुल्हन को देने वाली सामग्री भी मनी सिंग द्वारा अमृतसर से मंगाई गई है उनके इस पुण्य कार्य की सिख समाज के साथ साथ हर कोई तारीफ कर रहा है।

हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में विशाल वाहन रैली का आयोजन

बांदरी, देशबन्धु। प्रति वर्ष अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नवसंवतसर विक्रम संवत 2082 हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष धर्मजागरण विभाग एवं सर्वहिंदू समाज बांदरी के तत्वाधान में विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया। बाइक रैली में बांदरी नगर सहित मालथौन, बरौदिया, रजवांस, बहरोल सहित बांदरी नगर परिषद के आसपास के चालीस पचास ग्रामों से बड़ी संख्या में युवाओ सहित सर्व हिन्दू समाज के हजारों लोग उपस्थित हुये। वाहन रैली में प्रत्येक वाहन पर सभी भगवा रंग का झंडा लिये हुये थे और भारत माता की जय सहित हिन्दू नववर्ष के जयकारे लगाये। 1500 से अधिक वाहनों का काफिला रानी अवंती बाई बस स्टैंड से सायं 4 बजे प्रारंभ हुई जो की रैली के रूप में नई बस्ती, खुरई तिराहा, बंडा तिराहा सहित नगर के मुख्य मार्गो से होते हुये पुनः बस स्टैंड पर पहुंची जहां सभी ने जोरदार नृत्य किया एवं राष्ट्रीय जय घोषो के साथ वाहन रैली का समापन हुआ। वाहन रैली की खास बात यह थी की इतनी बड़ी संख्या में फोर व्हीलर, टू व्हीलर वाहनों पर हजारों लोग सवार थे फिर भी रैली में पूर्ण अनुशासन दिखा। इस अवसर पर स्वयंसेवक सौरभ जैन ने सभी को हिदू नववर्ष व नवरात्र की शुभकामनायें दी और कहा कि हिंदू नववर्ष चैत्र नवरात्र के पहले दिन से आरंभ होता है। हम लोगों को 31 दिसंबर नहीं, बल्कि नवरात्र के पहले दिन नववर्ष मनाना चाहिये। हम अपने बच्चों को जिस तरह का संस्कार एवं इतिहास की जानकारी देंगे, हमारे बच्चे उसी परंपरा अनुसार चलेंगे, इसलिये हमें अपने बच्चों को धर्म के प्रति जागरूक करना चाहिये ताकि हमारे बच्चों को धर्म का ज्ञान हो सके और वे धर्म के रास्ते पर चलें।

सार्वजानिक स्थानों पर प्याऊ और पक्षियों के लिए घर-घर सकोरो की व्यवस्था करें: श्याम तिवारी

सागर, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 120 वें संस्करण का प्रसारण रविवार को किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण, स्वच्छता, समाज सेवा के साथ राष्ट्रीय एकता सहित भिन्न विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम को जिले के सभी 26 मंडलों के 1271 बूथों पर सुना गया। जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी ने सागर में यमुना ताई मण्डल के बूथ क्र. 93 में मण्डल अध्यक्ष मेघा दुबे बूथ अध्यक्ष यशोदा विश्वकर्मा एवं बूथ समिती सदस्य, कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में उपस्थित मातृ शक्ति के साथ सुना। मन की बात कार्यक्रम उपरांत जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी ने प्रधानमंत्री के गर्मी को देखते हुये घर के बाहर मटके व छतों पर पक्षियों के लिये दाने पानी की व्यवस्था के आह्वान पर बूथ में जल पात्र सकोरो का वितरण करते हुये उपस्थित पदाधिकारी कार्यकर्ताओं व आमजनों से कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा प्रकट किये गये विचारों को आत्मसात कर जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया साथ ही उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री की मंशा अनुरूप जनप्रतिनिधि एवं पार्टी कार्यकर्ता सार्वजानिक स्थलों, निज निवास एवं कार्यालय के साथ उपयुक्त स्थानों पर प्याऊ एवं मूक पशु पक्षियों के लिये जलपात्र की व्यवस्था कर पुण्य कार्य में सहयोगी बनेंगे साथ ही जल संरक्षण के लिये अभियान चलाकर सामूहिक रूप से प्रयास करेंगे। जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि पूर्व मंत्री एवं विधायक भूपेंद्र सिंह ने बामोरा स्थित कार्यालय, शैलेंद्र जैन ने सागर नगर मंडल के बूथ क्र. 159, विधायक प्रदीप लारिया ने निज कार्यालय मकरोनिया, बीना विधायक निर्मला सप्रे ने निज कार्यालय बीना, जिला जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने डॉ. हरिसिंह गौर मण्डल के बूथ क्र. 243, महापौर संगीता तिवारी ने डॉ. हरिसिंह गौर मण्डल के बूथ क्र. 218, निगमध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने डॉ. भीम राव अम्बेडकर मण्डल के बूथ क्र. 40 पर मन की बात कार्यक्रम का श्रवण किया।

चैत्र प्रतिपदा पर सेवादल का ध्वजवंदन मातृ शक्ति द्वारा हुआ संपन्न

सागर, देशबन्धु। हर माह के अंतिम रविवार को होने वाले कांग्रेस परिवार के ध्वज वंदन कार्यक्रम इस मार्च माह के अंतिम रविवार को विठ्ठल घाट पर चकराघाट में संपन्न हुआ। नवरात्रि और चैत्र प्रतिपदा के पावन पर्व पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रोहण परिवार के जितेन्द्र सिंह रोहण जित्तू की सुपुत्री रिशिता रोहण के कर कमलों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम शहर सेवादल परिवार जिलाध्यक्ष सिंटू कटारे के आह्वान पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रिशिता रोहण ने कहा कि मेरे लिये बड़े अभिमान की बात है कि कांग्रेस सेवादल परिजनों ने मुझे इस पुनीत कार्य के लिये चुना। आजादी की लड़ाई में मेरे पूर्वजों का योगदान और मेरी पूर्वजों की चार पीढ़ी कांग्रेस की सेवा करती आयी है जो मेरे लिये गर्व का विषय है। रिशिता ने सागर की बीएमसी में अठारह माह की बेटी की मौत पर दुःख व्यक्त करते हुये कहा कि अबोध बालिका की सरकारी तंत्र द्वारा हत्या की गयी है मैं बालिका होने के नाते पूरे बीएमसी प्रबंधन पर हत्या का मुकद्दमा दर्ज करने की मांग करती हूं और प्रदेश की अंधी बहरी सरकार इस मामले में कुछ नहीं कर पायी तो आज चैत्र प्रतिपदा के शुभ दिन मैं जगत जननी मां जगदम्बा से प्रार्थना करती हूं कि आप ही उस बेटी के साथ न्याय करे। कार्यक्रम में प्रदेश सेवादल महासचिव विजय साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन द्वारका चौधरी ने किया। कार्यक्रम में पप्पू गुप्ता, जितेन्द्र सिंह रोहण, रिचा सिंह, योगराज कोरी, प्रेम नारायण विश्वकर्मा, भावना रोहण, दीनदयाल तिवारी, रजिया खान, सागर साहू, चमन अंसारी, नितिन पचौरी, आनंद हेला, कल्लू पटेल, कार्तिकेय रोहण, गौरी रोहण, युवराज रोहण, प्रशांत सोनी, रवि सोनी, लल्ला यादव आदि उपस्थित रहे।

कार्यों का निराकरण समय सीमा में नहीं करने पर पंचायत सचिवों पर लगाया जुर्माना

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट संदीप जीआर के आदेशानुसार अपने कार्यों के प्रति लापरवाही और प्रकरणों का निराकरण समय सीमा के अंदर नहीं करने पर देवरी, सागर, जैसीनगर, बंडा, रहली, केसली एवं मालथौन की विभिन्न ग्राम पंचायतों के सचिवों पर जुर्माना लगाया गया। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से जारी जुर्माना आदेश के अनुसार जनपद पंचायत सागर के ग्राम पंचायत बम्हौरी सचिव रघुनाथ सिंह, जनपद पंचायत बंडा के ग्राम पंचायत झारई सचिव राजेन्द्र सिंह यादव, ग्राम पंचायत कोटिया सचिव खुशबू सिंह ठाकुर, ग्राम पंचायत खारमउ सचिव कृष्णकुमार पतासिया, जनपद पंचायत रहली के ग्राम पंचायत गुडाकलां सचिव परसोत्तम पटैल, ग्राम पंचायत धनगुवां सचिव कृष्ण कुमार ठाकुर, ग्राम पंचायत बरखेरा सचिव संतोष पटैल, जनपद केसली के ग्राम पंचायत अर्जुनी सचिव रामपाल घोषी, ग्राम पंचायत धबई सचिव देवेन्द्र सिंह राजपूत, ग्राम पंचायत डोमा सचिव लखन लोधी, जनपद जैसीनगर के ग्राम पंचायत मनेशिया सचिव ओमप्रकाश साहू, जनपद मालथौन के ग्राम पंचायत किशनगढ़ सचिव तुलसीराम पटैल, जनपद देवरी के ग्राम पंचायत बहेरिया कलां सचिव हरिनारायण रैकवार, ग्राम पंचायत समनापुर सचिव काशीराम गौंड ग्राम पंचायत हर्राखेड़ा सचिव संतोष कुर्मी, ग्राम पंचायत बीना सचिव गनेश सिंह, ग्राम पंचायत धुलतरा सचिव प्रमोद कुमार चौबे, ग्राम पंचायत कांसखेड़ा सचिव चमनलाल को कार्यों का निराकरण समय सीमा में नहीं करने पर जुर्माना लगाया गया। मप्र लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 के अंतर्गत द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी द्वारा अपने अधिकार का उपयोग करते हुये, आर्थिक सांख्यिकी विभाग के प्रकरण को समय सीमा के अंदर निराकरण न करने, साथ ही इस हेतु पूर्व में भी पंचायत सचिवों को निर्देशित करने के उपरांत भी प्रकरण का निराकरण समय सीमा में नहीं किया गया हैं। कारण बताओ नोटिस का भी ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा समाधान कारक जवाब नहीं दिया गया। उक्त कृत्य लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 की धारा 7 (क) का उल्लंघन हैं। सचिवों के द्वारा आवेदन को विलंबित करने एवं समय सीमा पर निराकृत नहीं करने पर दंड स्वरूप जुर्माना लगाया गया। साथ ही उक्त जुर्माना राशि को तीन दिन के अंदर जमा करने का आदेश दिया।

कंटेनर को ओवरटेक कर रही मोटरसाइकिलों की भिड़ंत

शाहगढ़, देशबन्धु। हाईवे स्थित छतरपुर मार्ग पर गोड़नी माता के सामने कंटेनर को ओवर टेक करते वक्त दो बाईक में आमने सामने से भिड़ंत हो गई। रविवार की सुबह 11बजे के दरमियान हुये एक्सिडेंट में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। सादपुर स्कूल में पदस्थ शिक्षक दतिया निवासी 25 वर्षीय विनीत पाठक अपने 13 वर्षीय भतीजे को बाईक पर बैठाकर नवरात्र पर अबार माता के दर्शनार्थ उपरांत वापिस बक्सवाहा लौट रहे थे। हादसा हाईवे स्थित शाहगढ़ में गोडनी माता मंदिर के सामने मोड़ पर हुआ। नगर के भगत सिंह वार्ड निवासी विश्वनाथ गौड़ का 13 वर्षीय नाबालिग बेटा नशे में था मोड़ पर सामने कंटेनर आ गया, जिसको ओवर टेक करते हुये नाबालिग ने गलत साईड में अपनी बाईक का रुख कर दिया और सामने से आ रही शिक्षक की बाईक दोनों में आमने सामने से टक्कर हो गई, डॉक्टर ने बताया शाहगढ़ निवासी बाईक चालक नाबालिग के नशे में होने की मौखिक रूप से पुष्टि की। वहीं प्रत्यक्षदर्शी ओमप्रकाश ने बताया कि हादसा अचानक हुआ, समय रहते ट्रक चालक ने सजगता दिखाई और ब्रेक लगा लिये सड़क पर तीनों घायल पड़े हुये थे, गनीमत रही और बड़ा हादसा टल गया।

सस्ती शराब पीने से हुए सड़क हादसे, आधे दाम में बिकी अंग्रेजी देशी शराब, दुकानों पर उमड़ी भीड़

शाहगढ़, देशबन्धु। 30 मार्च को शाहगढ़ में शराब के ठेके का अंतिम दिन था, रविवार को अंतिम दिन शराब की दुकानों पर शराब आधे दाम पर बेची जा रही है, जिसके चलते लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है। तहसील में शराब के शौकीनों के लिये नव वर्ष किसी त्योहार से कम नहीं था। मौका था पुराने स्टॉक को खत्म करने का, किसी दुकान पर अंग्रेजी देशी शराब आधे दाम में बिक्री, तो कहीं एक पर एक फ्री का ऑफर दिया गया। जैसे ही इसकी खबर फैली, लोग शराब दुकान की ओर दौड़ पड़े। आज 31 मार्च को ठेका का अंतिम दिन है जैसे ही शराब सस्ती होने की खबर लगी, दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सबके हाथ में बोतलें थीं, तो कोई घर ले जा रहा था। सस्ते में शराब खरीदने के लिये लोग गाड़ियों, बाइक और साइकिलों से शराब की दुकानों की तरफ दौड़ते नजर आये। सुबह से ही क्षेत्र की विभिन्न शराब दुकानों पर भीड़ लग गईं। दरअसल एक अप्रैल से सागर जिले में केएसआर कंपनी अब नये ठेकदार है जो शराब दुकानों का संचालन करेंगे। चूंकि 31 मार्च के बाद पुरानी दुकानों का स्टॉक वैध नहीं रहेगा, इसलिये पुराने दुकानदार अपने बचे हुये स्टॉक को किसी भी कीमत पर निकालने में जुटे हैं। आज शराब के आधे से भी कम दाम हों सकते हैं। 31 मार्च है क्योंकि अंतिम समय तक दुकानदार किसी भी हाल में स्टॉक निकालने की कोशिश करेंगे। सस्ती शराब होने से गांव-गांव नगर में शराबियों ने डेरा डाल लिया, कोई यहां गिरा कोई वहां गिरा हुआ पड़ा है, रविवार को हाईवे पर 13 साल का एक नाबालिग स्पीड में बाईक चलाते हुये दूसरी बाईक में टक्कर मार दी और खुद ट्रक के नीचे आते-आते बचा, सड़क हादसे में घायल नाबालिग का इलाज सागर जिला अस्पताल में चल रहा है।

महिलाओं और किशोरी बालिकाओं को इस तरह के अवसरों की विशेष आवश्यकता: निर्मला सप्रे

बीना, देशबन्धु। शास. महाविद्यालय में आवाज मप्र एवं महिला बाल विकास विभाग के द्वारा सखी उत्सव एवं पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समितियों के महासम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक निर्मला सप्रे को स्मृति चिन्ह एवं पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। परियोजना अधिकारी प्रभा चतुर्वेदी को स्मृति चिन्ह एवं पौध भेंट कर स्वागत किया। आवाज की जिला समन्वयक द्वारा कार्यक्रम आयोजन की संकल्पना में किशोरी एवं महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना था, उद्देश्य पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति एवं अन्य विकासखंड स्तरीय इकाइयों के साथ आंतरिक संबंध मजबूत हो समन्वय स्थापित हो और पंचायत में बाल मैत्री वातावरण निर्मित करने में आपसी समन्वय बन पाये इसके बारे में सभी को विस्तार से बताया गया। सखी उत्सव के अंतर्गत एक सप्ताह पंचायत स्तरीय खेल गतिविधियां आयोजित की गई थी जिनके प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया जायेगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका एवं सहयोगी समाजसेवियों को सम्मानित किया

गया। विधायक द्वारा आवाज के बाल दुर्व्यापार के खिलाफ किशोर एवं महिलाओं को जागरूक करने के अलग-अलग आयामों की सराहना की गई एवं इस तरह के प्रयास सतत जारी रहने चाहिये अपने संबोधन में मौजूद सभी महिला साथियों को सखी शब्द का तात्पर्य बताते हुये सभी को अपनी सखी कहते हुये इस तरह की गतिविधियों में महिलाओं और बालिकाओं को बढ़चढ़कर हिस्सा लेने चाहिये एवं समाज के विकास में बालिकाओं एवं महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों के खिलाफ अपनी भागीदारी देनी चाहिये। प्रभा चतुर्वेदी द्वारा आवाज के साथ संयुक्त आयोजन और लगातार प्रयासों की सराहना की। सभी पंचायत से आये प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किये गये। इसी क्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। सहायकों और आशाओं को भी सम्मानित किया गया। जागरुक एवं क्रियाशील पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति भानगढ़ को सक्रिय समिति के पुरस्कार से नवाजा गया। कार्यक्रम के अंत में आवाज की जिला समन्वयक मालती पटेल द्वारा अतिथि एवं सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त कर सभी शामिल किशोरी बालिकाओं को शुभकामनायें के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में प्रेम नारायण कुर्मी, मंसूर अली, अंकित सेन, सुनीता पटेल, दीपक अहिरवार, राम कुशवाहा, मनीष दांगी, प्रियंका बंसल, रोशनी अहिरवार, नंदिनी कुशवाहा, संध्या लोधी सहित महिलायें और बच्चे उपस्थित रहे।

सार समाचार

अयोध्या की तरह सज रहा छतरपुर, तैयारियां जारी

छतरपुर, देशबन्धु। आगामी रामनवमीं पर्व को लेकर रामभक्तों में खासा उत्साह है। रामभक्तों की टोलियां दिन-रात मेहनत कर शहर को अयोध्या की तरह सजाने में जुटे हुए हैं। शहर के अलग-अलग इलाकों को हिंदू संगठनों द्वारा अलग-अलग टीमें बनाकर सजाया जा रहा है। वहीं शहरवासियों को भगवा ध्वज देकर घरों के ऊपर लगाने की अपील की जा रही है। इस वर्ष की सज्जा में अलग-अलग स्थानों पर बनाए जा रहे 40 स्वागत द्वार आकर्षण का केन्द्र हैं, जिन्हें अलग-अलग समाज द्वारा बनवाया जा रहा है। छत्रसाल चौराहे पर स्थित महाराजा छत्रसाल की प्रतिमा के साथ-साथ सड़कों पर विशेष सजावट की गई है। वहीं दूसरी ओर प्रताप नवयुवक संघ के तत्वावधान में मातृशक्ति के दल शोभायात्रा में शामिल होने वाली झांकियों की तैयारी कर रहे हैं।

चौक बाजार में की गई भव्य राम दरबार की स्थापना

छतरपुर, देशबन्धु। रामनवमीं पर्व को लेकर रामभक्त उत्साह से भरे हैं, दिन-रात मेहनत से तैयारियां पूरी कर रहे हैं। बीते रोज शहर के संकट मोचन मंदिर से चौक बाजार तक श्रीराम दरबार की शोभायात्रा निकाली गई। जहां जानराय टौरिया के महंत भगवानदास श्रंगारी, पीतांबरा मंदिर के पुजारी ब्रजेश महाराज सहित अन्य साधू-संतों और रामभक्तों की मौजूदगी में रामदरबार की स्थापना की गई। अगले 9 दिनों तक रामदरबार में महाआरती के साथ विविध धार्मिक कार्यक्रम होंगे। इस वर्ष राम दरबार में भगवान को पुष्पक विमान पर विराजित किया है। जिसे बुंदेलखंड के जाने-माने मूर्तिकार दिनेश शर्मा द्वारा तैयार किया गया है। इस मौके पर नपा अध्यक्ष ज्योति चौरसिया, शिवसेना जिला प्रमुख मुन्ना तिवारी सहित श्रीराम सेवा समिति के सदस्य और शहरवासी मौजूद रहे।

निराश्रित पशुओं के लिए परिषद ने की जल व्यवस्था

हरपालपुर, देशबन्धु। मार्च खत्म होने से पहले ही जिले में भीषण गर्मी पड़ने लगी है। दिन के वक्त अभी से सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिल रहा है। वहीं सड़क पर घूमने वाले बेजुबान जानवरों के लिए भी पानी का संकट खड़ा हो गया है, ऐसे में नगर परिषद हरपालपुर द्वारा निराश्रित पशु-पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था की जा रही है। सीएमओ महादेव अवस्थी ने बताया अध्यक्ष अमित अग्रवाल के साथ मिलकर नपा प्रशासन ने कुल 25 स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था की है। जिसमें बस स्टैंड, राजपूत कॉलोनी, मेन रोड, हरिहर रोड, नेहरू गेट, पुरानी गल्ला मंडी, लहचुरा रोड, राठ रोड पर पानी की टंकियां व अन्य बर्तन रखे जा रहे हैं। नगर परिषद के कर्मचारियों को पानी भरने की जिम्मेदारी दी गई है।

जल जीवन मिशन : काम की धीमी रफ्तार से अधूरा हर घर जल का सपना

छतरपुर, देशबन्धु। पांच साल पहले जल जीवन मिशन से हर घर तक नल से जल पहुंचाने का जो सपना लोगों को दिखाया गया था, वह अब तक अधूरा है। हर घर तक जल जब अधिकरी चाहें तभी पहुंचेगा, मगर करोड़ों की लागत वाली इस योजना से मिशन के आला अधिकारी मलाई खाकर मौज कर रहे हैं और कर्मचारी मालामाल जरुर हो गए हैं।

छतरपुर जिले में चल रही हर घर नल जल योजना के तहत घर.घर तक पेयजल पहुंचाने का सपना अब तक अधूरा ही है। जिले के 1045 गांवों को कवर करने के लिए 1500 करोड़ की इस योजना का कार्य जल निगम द्वारा समूह जल प्रदाय योजनाओं के माध्यम से कराया जा रहा है। काम की रफ्तार बेहद कम होने से पांच साल बीतने के बावजूद योजना की स्थिति जस की तस है। पहले यह योजना वर्ष 2024 में पूरी होने का लक्ष्य तय किया गया था, जिसे बढ़ाकर मार्च 2025 तक कर दिया गया। अब जबकि मार्च भी बीत गया, मगर काम की प्रगति अभी भी बेहद कम है। छतरपुर जिले में कुल 250 गांवों में नल जल योजना का कार्य अब तक शुरू ही नहीं हो पाया है। अभी करीब 154 टंकियों का निर्माण कार्य शुरू होना है। जहां कुछ काम हुआ, वो अधूरा पड़ा है। हालांकि विभागीय सूत्रों की मानें तो जल निगम ने बड़ामलहरा और बकस्वाहा में ही इस योजना का काम पूरा किया है। इसके अलावा छतरपुर, नौगांव, बिजावर, राजनगर, लवकुशनगर और गौरिहार में काम 50 प्रतिशत से भी कम हुआ है।

इन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़कों को खोदकर इनकी मरम्मत नहीं कराई गई है। अधिकारियों को इस बात पर खास ध्यान देना चाहिए कि इस परियोजना की सफलता के लिए जरूरी है कि योजना के कार्यों में तेजी लाकर इन्हें समयबद्ध तरीके से इसे पूरा किया जाए, ताकि जिले के सभी गांवों के हर घर में नल के माध्यम से स्वच्छ और पर्याप्त जल आसानी से मिल सके। बहरहाल योजना के कार्य की गति बहुत कम होने से जिले के हजारों ग्रामीणों को अभी से पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। वे दूर दूर लगे हैंडपंपों से बड़ी परेशानी के बाद पानी ढोकर ला रहे हैं। या अन्य जलस्त्रोतों पर निर्भर हैं।

हर ब्लॉक में काम की स्थिति चिंताजनक

जिले के हर ब्लाक में काम की स्थिति बेहद चिंताजनक कही जा सकती है। सबसे पहले बात करते हैं छतरपुर ब्लॉक की, यहां के 143 गावों में 280 करोड़ रुपए से तरपेड़ समूह जल प्रदाय योजना शुरु की गई है। जिसमें 74 टंकियों का निर्माण कराया जाना है, मगर केवल 37 टंकियों का काम शुरू हुआ है। 95 गांवों में पाइपलाइन का काम जारी है। नौगांव ब्लॉक में 196 करोड़ के बजट से गर्रोली समूह जल प्रदाय योजना द्वारा 118 गांवों को कवर किया है। यहां केवल 48 गावों में ही काम शुरु हो सका है। 64 टंकियों में से अभी तक केवल 32 टंकियां बन सकी हैं। इसी तरह राजनगर ब्लॉक में 254.36 करोड़ से समूह जल प्रदाय योजना से 131 गांवों को कवर किया है। इनमें से 80 गांवों में ही काम शुरू हुआ है। यहां 66 टंकियों में से केवल 34 टंकियां बनाई गई हैं। वहीं 3 एमबीआर में से केवल 1 एमबीआर पर काम हुआ है। लवकुशनगर और चंदला ब्लॉक में 492 करोड़ रुपए से समूह जल प्रदाय योजना से 278 गांवों को कवर किया गया है। इनमें से 132 गांवों का काम शुरू हुआ है। जिसमें 101 टंकी में से केवल 57 टंकियों का अधूरा निर्माण कराया गया है। हालांकि बिजावर ब्लॉक में स्थिति थोड़ी बेहतर कही जा सकती है, दरअसल यहां तीन योजनाओं पर काम चल रहा है। 214 करोड़ रुपए से 99 गांवों में काम जारी है। यहां 33 टंकियों का निर्माण किया जाना है, जिसमें से 71 गांव में 24 टंकियों का काम चल रहा है। हर घर नल से जल पहुंचाने के काम में देरी के सवाल पर अधिकारी अपने अपने तरीके से सफाई दे रहे हैं।

इनका कहना है

यह योजना बहुत बड़ी है और इसे पूरा करने में समय लगेगा। कार्य की उच्च स्तर से मॉनिटरिंग की जा रही है। जो टंकियां अभी शुरू नहीं हो पाई हैं, उनका काम जल्द शुरू किया जाएगा।

एलएल तिवारी, महाप्रबंधक, जल निगम

डॉ नंदिता पाठक को वूमेन अचीवर्स अवार्ड से नवाजा गया

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर की सरजमीं से जुड़ी भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ नंदिता पाठक को 1 करोड़ सेल्फी विथ लाभार्थी अभियान में 31500 सेल्फी नमो ऐप में अपलोड कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त करने पर उत्कृष्ट महिला सम्मान से नवाजी गई हैं। ये प्रदेश सहित छतरपुर जिले के गौरवशाली बात है।

डॉ नंदिता को यह सम्मान भाजपा केंद्रीय कार्यालय नई दिल्ली में भाजपा महिला मोर्चा राष्ट्रीय इकाई द्वारा आयोजित उत्कृष्ट महिला सम्मान 2025 के समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष वानिती श्रीनिवासन, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व महिला मोर्चा प्रभारी बैजयंत जय पांड, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की उपस्थिति में दिया गया है। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत डॉ नंदिता ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया, प्रदेश प्रभारी महिला मोर्चा कविता पाटीदार का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा वानिती श्रीनिवासन के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय स्तर पर किए गए अभिनव प्रयोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सम्मानों से कार्यकर्ता सदैव प्रेरित होकर काम करते रहेंगे। इनके साथ ही महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य माया नारोलिया, सागर की रितु दुबे को भी सेल्फी विथ लाभार्थी अभियान में सम्मानित किया गया है।

पुरानी रंजिश में 2 पक्षों में फायरिंग, 1 मृत और 16 घायल

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के महराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम खिरवा में शनिवार की रात करीब साढे 10 बजे दो पक्षों में विवाद होने पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। जिसमें गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दोनों पक्षों के 16 लोग घायल हुए हैं। घायलों को जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती किया गया है।

जानकारी के अनुसार इस सनसनीखेज वारदात के तार हत्या के प्रयास के एक केस से जुडे हैं। इस मामले में जिसमें रामपाल पाल गवाह था। आरोपी पक्ष माम्मले में गवाही न देकर रामपाल पर राजीनामा करने का दबाव बना रहा था। रामपाल के इंकार इनकार करने पर रात में आरोपियों ने उसके घर आकर गाली-गलौज शुरु कर दी। जब रामपाल के बड़े भाई 40 वर्षीय भूपचंद पाल ने बीचबचाव किया, तो आरोपियों ने उस पर 6 फायर झोंक दिए। एक गोली भूपचंद के सीने में दाहिने ओर लग जाने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घायलों में सज्जन के पक्ष के लोगों में मालती पाल 28 वर्ष, मन्नू पाल 30 वर्ष, सज्जन पटेल 35 वर्ष, गायत्री पटेल 35 वर्ष, रेखा पटेल 32 वर्ष और तुलसीदास पटेल 40 वर्ष है। इसी तरह प्राण सिंह के पक्ष के प्राण सिंह, मान सिंह, शिवराम सिंह, अमर सिंह और राहुल सिंह हैं। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल छतरपुर में चल रहा है।

दोनों पक्षों ने बताई घटना की वजह

एक पक्ष के सज्जन पटेल ने बताया आरोपियों ने पहले खेत में गाय घुस जाने पर हमारे साथ मारपीट की थी। पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था, जो न्यायालय में विचाराधीन है। इसमें रामपाल पाल गवाह था। दिन में रामपाल को गवाही न देने को लेकर उसे धमकाया गया, मगर फिर भी उसने गवाही देने की बात कही तो रात में रामपाल को जान से मारने के लिए ये लोग पहुंचे। जब रामपाल नहीं मिला तो उसके बड़े भाई भूपचंद को गोली मार दी। इसके बाद घर आकर आरोपियो ने परिवार के लोगों की बेरहमी से पिटाई की और हवाई फायर करते हुए भाग गए। वहीं दूसरे पक्ष के प्राण सिंह ने बताया सज्जन पटेल और उनके साथियों ने पहले मारपीट की, फिर खुद को गोली मार ली। प्राण सिंह का कहना है पटेल परिवार से मवेशी खेत में घुसने को लेकर विवाद हुआ, इसमें सज्जन ने उनके खिलाफ 307 का फर्जी केस दर्ज करवाया। जब वे लोग घर के बाहर बैठे थे, तभी सज्जन और उनके साथी कट्टा लेकर आए और उनके भांजे शिवराज सिंह को गोली मार दी। हम लोगों से मारपीट करके फिर खुद को गोली गोली मार ली।

इनका कहना है : इस मामले में एक युवक की मौत होने पर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मामला दर्ज करके दोनों पक्षों के बयान लेकर जांच की जा रही है। जो भी आरोपी हैं, उन्हें शीघ्र पकड़ लिया जाएगा।

विदिता डागर: एएसपी, छतरपुर

लोकगीत, नौरता नृत्य के नाम रही देशज समारोह की शाम

खजुराहो, देशबन्धु। आदिवर्त जनजातीय लोककला राज्य संग्रहालय में आयोजित साप्ताहिक देशज समारोह में बीती शाम बुंदेलखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर की एक अद्भुत झलक देखने को मिली।

समारोह में कलाकारों ने बुंदेली लोकगीतों और नोरता नृत्य की प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकार नरेन्द्र सेन, भगवनदास यादव, महिमा अहिरवार, शैलेंद्र बुंदेला, लक्ष्मण नामदेव, रविन्द्र विश्वकर्मा ने बुंदेली लोकगीतों तथा सुश्री दीपिका पाण्डेय एवं साथी जबलपुर द्वारा नौरता नृत्य का शानदार प्रदर्शन किया गया। उल्लेखनीय है बुन्देलखण्ड अंचल में नवरात्रि के अवसर पर कुँवारी कन्याओं द्वारा नौरता नृत्य किया जाता है, जो नौ दिन चलता है। संगतकार के रूप में अश्वनी कुशवाहा (हारमोनियम), घनश्याम प्रजापती (नगड़ीया), धीरज अहिरवार (ढोलक), रज्जू विश्वकर्मा (बेन्जो), रोहित मिश्रा (पेड), पट्टू अहिरवार (झींका), नन्द किशोर कुशवाहा (मंजीरा) की भूमिका खास रही।

जल गंगा संवर्धन अभियान शुरु, संकटमोचन तालाब में चला स्वच्छता अभियान

छतरपुर, देशबन्धु। जल संरक्षण और वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान का रविवार को जिले में शुभारंभ हुआ। शहर के संकटमोचन तालाब में प्रात: 8 बजे से स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को जल संरचनाओं और स्त्रोतों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया। यह अभियान 30 जून तक चलेगा।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति चौरसिया, जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, एसडीएम अखिल राठौर, सीएमओ माधुरी शर्मा सहित अन्य अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने तालाब को स्वच्छ बनाने के लिए श्रमदान किया। सीएमओ ने बताया इस अभियान में समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों की समेकित पहल से मुख्यत: नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भूजल, संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की सफाई व जीर्णोद्धार, जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने, जल वितरण की संरचनाओं की सफाई तथा मानसून मे पौधारोपण के लिए आवश्यक तैयारियों के कार्य प्राथमिकता पर किए जाएंगे। साथ ही पौध-रोपण, जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम चलाने, स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने, ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, नदियों पर छोटे बांध निर्माण एवं नदियों के संरक्षण के लिए जलधारा के आसपास फलदार पौधों के रोपण और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों पर प्याऊ की व्यवस्था आदि कार्य भी किए जाएंगे। नहरों के संरक्षण, जलाशयों से रिसाव रोकने, तालाबों की पिचिंग, बैराज मरम्मत कार्य होंगे एवं बांध तथा नहरों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

खजुराहो में हुआ जल संवर्धन अभियान का शुभारंभ

खजुराहो, देशबन्धु। वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का जल गंगा संवर्धन महाअभियान का शुभारंभ गुड़ी पड़वा के दिन अध्यक्ष व सीएमओ बसंत चतुर्वेदी की मौजूदगी में किया गया। नगर परिषद खजुराहो के कर्मचारी एवं पुरातत्व विभाग के कर्मचारियों द्वारा शिवसागर तालाब के घाटों की सफाई की गई। इस अभियान को समाज और सरकार की साझेदारी से जल संरक्षण व संवर्धन का जन आंदोलन बनाया जाएगा। सीएमओ ने कहा नागरिकों के सहयोग से जल संरक्षण अभियान जन-आंदोलन बनेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से भी अपील की है कि वे जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान दें और इसे एक को जन-आंदोलन बनाएं।

खेत में लगे बिजली के खंभे और हाईवोल्टेज लाइन से किसानों की मेहनत पर संकट

तारों में स्पार्किंग से भड़की आग, राख में बदल गई मेहनत से उगाई गेहूं की फसल

महाराजपुर, देशबन्धु। *खेत में लगे बिजली के खंभे और हाईवोल्टेज लाइन से किसानों की मेहनत पर संकट मंडरा रहा है। ग्राम बरोंही और नैगुवां में खेत से गुजरने वाली बिजली की लाइन से निकली एक चिंगारी ने करीब चार एकड़ में पककर खड़ी गेहूं की फसल को 15 मिनट में जलाकर राख में बदल दिया है।*

शनिवार को महाराजपुर तहसील के ग्राम बरोंही निवासी किसान कालीचरण, राजू, नरेश और राजेश पटेल के खेत मे भीषण आग लग गई। इस आग ने खेत में खड़ी गेहूं की फसल को पर भर में राख में बदल दिया है। यहां पहुंची फायर ब्रिगेड ने बडी मुश्किल से आग पर काबू पाया, जिससे आग अन्य खेतों तक पहुंचने से पहले शांत हो पाई। प्रत्यक्षदर्शी किसानों ने बताया आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि 15 मिनट में ही खेत में लगी पकी हुई गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। इस अग्निकांड से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। आग से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए राजस्व विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। ऐसा ही नजारा ग्राम नेगुवां में किसान बुची कुशवाहा और अमान कुशवाहा के खेतों में देखने को मिला है। दरअसल यहां खेतों से निकली 11 हजार केबी लाईन में फाल्ट होने से नरवाई में आग लग गई। यहां ग्रामीणों ने अपने साधनों से आग को समय से बुझा दिया, जिससे खेत में खडी फसल खाक होने से बच गई है। स्थानीय लोगों और ग्रामीणों ने सरकार से पीड़ित किसानों को मदद की मांग की है। साथ ही किसानों ने बिजली कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से बिजली लाइनों को खेतों से हटाने या उनका सुधार कार्य कराने की मांग की है।

किसानों के लिए खतरा बने खेतों में लगे ट्रांसफार्मर

महाराजपुर क्षेत्र में वर्ष 2013-16 के बीच सरकार द्वारा अटल ज्योति योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत लाइनों का विस्तार किया गया था। ठेकेदारो ने खेतों के बीच से ही 11 हजार केव्ही की बिजली लाइन डालकर खेत के बीचों बीच और मेड़ पर ट्रांसफार्मर लगा दिए। इन ट्रांसफार्मर तक जाने वाली बिजली की लाइन का मेंटिनेंस न होने से खेतों के बीच में कई जगह तार लूज होकर झूल रहे हैं। तेज हवा चलने पर ये तार आपस में टकराने से चिंगारियां छोड़ते हैं, यही चिंगारी फसल के लिए खतरा बन जाती है।

ग्राम नेगुवां के किसान हजारीलाल रिछारिया ने बताया किसान वीरेन्द्र अवस्थी के खेत की मेड़ पर दो, गुड्डा कुशवाहा के खेत मे दो, जयहिंद यादव के खेत की मेड़ पर एक, मुन्ना अहिरवार की मेड़ पर दो ट्रांसफार्मर लगे हैं। इस तरह से करीब 20 ट्रासंफार्मर ग्राम मझगुवां में राजेन्द्र द्विवेदी, बृजलाल पटेल, हिसाबीलाल, दयाराम, मलखान पटेल के खेत में एक-एक सहित कुल मिलाकर 15 ट्रांसफार्मर खेतों के बीच और मेड़ पर लगे हैं। इसी तरह ग्राम कुसमा के किसान रविन्द्र पुरोहित ने बताया कुसमा गांव का मौजा बहुत बड़ा है। जो ग्राम मनकारी से गढ़ीमलहरा तक है। इसमें कुसमा, डोगापुरवा, कुदुवा पुरवा, घेरा पुरवा, सिमरधा गांव में कुल मिलाकर 50 ट्रांसफार्मर खेतों में लगाए गए हैं। पिछले साल डोगा और कुदुआ पुरवा में बिजली की एक चिंगारी से 5 कुशवाहा परिवारों की फसल आग की भेंट चढ़ गई थी।

देशबन्धु

सागर, सोमवार 31 मार्च 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

मोदी की नागपुर यात्रा संतुलन की कवायद

अपने प्रधानमंत्रित्व काल के तकरीबन 11 वर्षों के दौरान भारतीय जनता पार्टी को नरेन्द्र मोदी ने इतना मजबूत बना दिया है कि उसके अध्यक्ष जेपी नड्डा को यह कहने में न तो संकोच हुआ और न ही डर लगा कि 'अब भाजपा इतनी शक्तिशाली हो चुकी है कि उसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ज़रूरत नहीं रह गयी है'। देश ने अब तक भाजपा के दो ही प्रधानमंत्री देखे हैं- मोदी के अलावा अटल बिहारी वाजपेयी। तीन बार पीएम का पद सम्हालने वाले वाजपेयी का कार्यकाल हालांकि एक ही बार पूर्णकालिक रहा था (पहले दो बार क्रमश: 13 दिन व 13 माह का)। अटल बिहारी वाजपेयी 2007 में गोलवलकर शताब्दी समारोह में भाग लेने के दौरान संघ मुख्यालय गए थे, लेकिन तब वह प्रधानमंत्री के पद पर नहीं थे। बतौर प्रधानमंत्री मोदी ने भी 2014 से अब तक यहां आने की कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। 11 सालों बाद 2025 में अब कहीं जाकर मोदी ने रविवार को यहां का दौरा किया। वे भवन में स्थित हेडगेवार स्मृति मंदिर भी गये जहां संघ के संस्थापक हेडगेवार तथा दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर के स्मारक हैं। इससे पहले मोदी 2013 में यहां आये थे, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। संघ के पदाधिकारी तथा प्रवक्ता इसे 'गैर राजनीतिक यात्रा' बता रहे हैं, लेकिन संघ से वाकई बड़े हो चुके मोदी के यहां आने का मकसद, वह भी इतनी देर से, ढूंढ़ा जा रहा है।

पहली बात यह कही जाती है कि नड्डा के उपरोक्त उल्लेखित बयान के कारण भाजपा तथा संघ के बीच रिश्तों में आई दरार को पाटने मोदी यहां आये थे। इतना ही नहीं, यह भी कयास लगाया जा रहा है कि अगले साल बिहार में होने जा रहे चुनाव पर भी चर्चा हुई होगी। कोई कह सकता है कि इस दौरान जब मोदी ने लोकसभा के तीन और न जाने कितने राज्यों के विधानसभा चुनाव जीत लिये तो अब बिहार का चुनाव जीतने हेतु उन्हें संघ प्रमुख से चर्चा करने के लिये क्योंकर आने की आवश्यकता महसूस हुई होगी। बिहार के बारे में पिछले कुछ समय से भाजपा तथा संघ गम्भीर हैं। वह इस मायने में कि प्रदेश की भाजपा इकाई ने यह कहकर बिहार जीतने की मंशा ज़ाहिर की है कि, 'पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब यहां भाजपा का मुख्यमंत्री बने।' हाल ही में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बिहार का पांच दिवसीय दौरा किया था। इन सारी बातों को जोड़कर भी देखा जा रहा है। वैसे नड्डा की बात में दम तो है कि संघ के बिना भाजपा को चुनाव जीतना आता है। वे दिन गये कि संघ के असंख्य कार्यकर्ता वर्तमान भाजपा और पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के प्रत्याशियों के लिये पसीना बहाया करते थे। अब भाजपा कायकर्ताओं के बल पर नहीं वरन केन्द्रीय जांच एजेंसियों- सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर आदि के जरिये विपक्ष को खत्म कर, ऑपरेशन लोटस, केन्द्रीय निर्वाचन आयोग, ईवीएम, इलेक्टोरल बॉन्ड्स से इकट्ठी धन राशि, समर्थक मीडिया, आईटी सेल आदि के बल पर चुनाव जीतती है।

वैसे तो जब सक्रिय राजनीति में शामिल या सत्ता में बैठे लोग आरएसएस से दूरी बनाकर रखते हैं, तो यह संघ के उस विमर्श को बढ़ाने में मददगार साबित होता है जिसमें कहा जाता है कि 'संघ एक सांस्कृतिक संगठन है' तथा 'उसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।' हालांकि संघ व भाजपा के अंतर्संबंधों का पर्याप्त खुलासा हो चुका है तथा अब इस बात को बाहरी ही नहीं, खुद दोनों संगठनों के लोग नहीं मानेंगे।

बहरहाल, संघ कार्यालय में उन्होंने अपने 34 मिनट के भाषण में संघ की स्वाभाविक: भरपूर तारीफ की। उसे 'वटवृक्ष' बताया तथा कहा कि 'संघ उनके जैसे लाखों लोगों को देश के लिये जीने की प्रेरणा है।' फरवरी में मुम्बई में हुए भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए तथा हाल ही में प्रसिद्ध अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ हुई चर्चा में भी मोदी ने संघ की प्रशंसा की थी तथा अपने जीवन पर संगठन के पड़े प्रभाव को बतलाया था। अपने भाषण में मोदी ने देश में हुई विभिन्न त्रासदियों में संघ कार्यकर्ताओं द्वारा पीड़ितों को मदद पहुंचाने का ज़िक्र भी किया। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि कोरोना काल में जब लाखों देशवासी ऑक्सीजन, दवाओं तथा बिस्तरों के अभाव में मर रहे थे, उस दौरान अथवा इसी साल जनवरी-फरवरी में प्रयागराज में सम्पन्न हुए महाकुम्भ के दौरान हुई भगदड़ों से प्रभावित लोगों की संघ ने क्या सेवा की। हालांकि अब यह सर्वज्ञात है कि संघ की भूमिका व योगदान सिफर ही था। हां, इस दौरान वे हिन्दू-मुस्लिम खाई चौड़ी करने में पहले की तरह ही सक्रिय थे।

अपनी नागपुर यात्रा के दौरान पीएम ने दीक्षाभूमि के दर्शन भी किये। उल्लेखनीय है कि इसी स्थान पर संविधान निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर ने 1956 में अपने लाखों अनुयायियों को बौद्ध धर्म में प्रविष्ट कराया था। वह एक ऐतिहासिक घटना तो है लेकिन मोदी का वहां जाना मार्के की बात है, क्योंकि संघ का अंबेडकर, उनके संविधान, खासकर आरक्षण के कारण प्रबल बैर रहा है- वह भी आरम्भ से ही। हालिया दौर में संविधान का मुद्दा भारतीय राजनीति के केन्द्र में आ गया है। 2024 के चुनाव में भाजपा 400 सीटें चाहती थी ताकि संविधान बदला जाये। जब इसी मुद्दे ने भाजपा को अल्पमत में ला दिया व दूसरे दलों की मदद से उसे सरकार बनानी पड़ी, तो मोदी व भाजपा को खुद को संविधान का रक्षक साबित करना ज़रूरी हो गया है। इसी विमर्श ने मोदी को दीक्षाभूमि में ला खड़ा किया। सिर्फ संघ कार्यालय जा कर दीक्षाभूमि जाते तो दोनों ही स्थितियों में उन्हें अड़चन होती। उनकी नागपुर यात्रा संतुलन बनाने की कवायद है।

गुझिया भी सिवंइयां भी : देश की तरक्की की दुआएं भी!

अभी तीन दिन पहले अलविदा का जुमा-था, रमजान का आखिरी जुमा उस दिन भी लिखा था कि टीवी वालों को मस्जिदों से लाइव टेलिकास्ट करके पूरे देश को बताना चाहिए कि मुस्लिम क्या करते हैं? क्या दुआएं मांगते हैं?

क्या देश की तरक्की, सबकी खुशियां, हिन्दू-मुसलमान हर धर्म के लोगों की भलाई की प्रार्थनाएं हर मस्जिद से नहीं होती हैं?

नहीं बताया। गोदी मीडिया को यह आदेश नहीं है। वह गुलामी के सबसे खराब दिनों से गुजर रहा है। प्यार, मोहब्बत, भाईचारे को आंखों से देखकर भी वह उसके बारे में बता नहीं सकता। एक बड़े टीवी चेनल के मालिक उसके प्रमुख एंकर हैं तो पत्रकार भी कहते हैं खुद को वे दिल्ली की जामा मस्जिद के शाही इमाम की इफ्तार की दावत में गए। बहुत खुश होकर शाही इमाम की तारीफ की। मुसलमानों ने उनका कैसा स्वागत किया यह बताया। मगर अपने टीवी पर प्रेम, भाइचारे की कितनी खबरें चलाईं, कितनी डिबेट कीं पता नहीं।

टीवी देखने की अब हिम्मत नहीं है, अख़बार ही नहीं पढ़े जाते! गोदी मीडिया ने घृणा कहीं और फैलाने की कोशिश की थी मगर वह सबसे ज्यादा खुद उसके खिलाफ फैल गई। जैसे घृणित चीज से आदमी दूर रहता है वैसे ही इनके टीवी और अखबारों से रहने लगा। मगर मुसलमान का प्यार सम्मान वैसा ही रहा। रोजा इफ्तार में आपने देखा ही कि बुलाया और पूरा सम्मान दिया।

कोई भी धर्म जाति ऐसे नहीं बदल जाती। कोई क्या कह रहा है, क्या कर रहा है उससे आप खुद को नीचे नहीं गिरा लेते। देश में न हिन्दू नफरती हुआ है और न मुसलमान।

संभल के उस पुलिस के सीओ के मालूम नहीं कि गुझिया मुसलमान कितनी खाता है और कितनी खिलाता है। हमारे यहां जितनी सिवंइयां खिलाई जाती हैं। उससे ज्यादा गुझिया। हम तो बहुत जगह रहे हैं अपने गृह राज्य मध्य प्रदेश के अलावा राजस्थान जयपुर, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, एनसीआर। बहुत सारे दोस्त हैं। सबको मालूम है कि होली, दीवाली, दशहरा और दशहरा तो हमारे गृह नगर दतिया मध्य प्रदेश में हमारे दादा साहब (और उनसे पहले इनके वालिद, पूर्वजों) की तलवार के वार के बिना मनता नहीं था। दूर-दूर से लोग रियासत दतिया का दशहरा देखने आते थे। शहर के सबसे बड़े मैदान सुरय्यन में दतिया महाराज गोविन्द सिंह जू देव कई दिनों से पाले एक शक्तिशाली भैंसे पर भाले से प्रहार करते थे। और इसके साथ ही उसकी रस्सी काट दी जाती थी। क्रोधित भैंसा तेजी से भागता था। विशाल मैदान जो अब खेल स्टेडियम बना दिया गया है, के चारों तरफ भीड़ होती थी।

भैंसे के खुलते ही घुड़सवार सरदार उसके पीछे भागते थे। महाराज का हुक्म होता था कि रियाया तक नहीं पहुंच पाए। जनता को चोट नहीं पहुंचे। उधर जनता उन्माद में जोर-जोर से चिल्लाती थी। घबराया भैंसा कभी उनकी तरफ कभी पीछा करते घुड़सवारों की तरफ कभी जहां महाराज हाथी पर बैठे होते थे उस तरफ कहीं भी दौड़ पड़ता था। और ऐसे में दतिया और बुंदेलखंड में कहावत है कि पहला हाथ मोहम्मद हादी खां साहब (हमारे दादा साहब) का पड़ता था। मतलब भैंसे के गर्दन पर पहला तलवार का वार।

तो लिखा इसलिए कि अब ईद पर भी जो सवाल उठाए जा रहे हैं तो देश में ईद ही नहीं मुसलमान सदियों से हर त्यौहार दशहरा, दीवाली, होली सब मिलजुल कर मनाता है।

और बताते हैं कुछ। दीवाली का जिक्र किया। तो शायद पहले लिख भी चुके हैं। कोई बात नहीं। अच्छी बातें प्रेम भाईचारे मेल-मिलाप की जितनी बार बताई जाए कम है। तो दीवाली हमारे यहां कैसे मनाई जाती थी। उसकी निशानी तो आज भी हमारे पास है। 1962 की बात है। सबसे छोटी बहन हुई थी। सब उसमें लगे थे। मगर दीवाली भी मन रही थी। हम सबसे बड़े लड़के तो सारे पटाखों पर कब्जा करे थे। आठ साल के थे। पापा उधर मां-बहन में व्यस्त थे। और हमने उनके सिगरेट का डिब्बा खाली किया। टिन का होता था। उसके नीचे रखा बड़ा सुतली बम और चला दिया।

टिन का डिब्बा सीधा आकर हमारे मुंह पर। खून ही खून। सब भागते हुए आए। एक ही बात कि आंख में तो नहीं लगा। हमें तो कुछ पता नहीं। आंखें तो बंद थीं। मगर कहा- नहीं लगा। आवाज आई आप तो चुप रहिए। आपका हिसाब तो बाद में किया जाएगा। पहले यह बताओ कि यह सिगरेट का डिब्बा आया कहां से? सिगरेट कौन पीता है? यह दादा साहब थे। सब चुप। खैर आंख बची। नाक पर कई टांके लगे। अभी भी निशान हैं। तो ऐसे मनता था दशहरा ऐसे मनती थी दीवाली। ईद पर तो हम नहीं बताएंगे। क्योंकि ईद पर ही इन सबकी नफरत फैलाने वालों की निगाहें लगी हुई हैं। वह दोस्तों में से कोई भी बता सकता है।

तो बात गुझिया से शुरू हुई थी। तो वह भी बता दें। जम्मू में थे। बेटा हुआ था। तत्काल बाद ही होली थी। अब होली में गुझिया की खोज शुरू हुई। बेटा होने के कारण घर में बनाने की स्थिति थी नहीं। पूरे जम्मू में कहीं भी गुझिया नहीं मिली। बनाई ही नहीं जाती थी। वहां प्रचलन में ही नहीं थी। अब आ गई हो तो पता नहीं। वहां का सबसे बड़ा त्यौहार लोहड़ी हुआ करता था। राखी को रक्खड़ी बोलते हैं। वह भी बड़ा त्यौहार था। होली जब हम वहां मनाते थे लोग कहते थे आपके यहां ज्यादा मनती है। वह आपके यहां भौगोलिक पहचान की बात थी। धर्म की उस समय ऐसी बातें नहीं होती थीं। और सांस्कृतिक विभिन्नता, खान-पान का फर्क कैसा था यह हमने बता ही दिया कि होली बिना गुझिया के।

और बताते हैं। भाजपा के लोग कह रहे हैं कि ईद पर नानवेज क्यों? अब तो पूरे भारत की पार्टी हो गई है! तो पूरे भारत के बारे में मालूम होना चाहिए! कश्मीर की शिवरात्रि के बारे में भी। कश्मीरी पंडितों का सबसे बड़ा त्यौहार। बड़ा दिन कहते हैं इसको। और इस दिन नान वेज बनता है। खाते हैं खिलाते हैं।

कहां ले जा रहे हैं यह देश को। ईद पर नानवेज मना किया है। कई मुस्लिम नेताओं ने कहा नहीं खाना चाहिए। नहीं खाएंगे। आम मुसलमानों में से भी बहुत लोगों की अपीलें देखीं। बहुत लोग नहीं खाएंगे। शायद पहली बार होगा।

मगर एक बात और बता दें कि इस बार पहली बार यह भी हुआ है कि होली पर नान वेज खाया गया। हमारे यहां तो पहली बार। जैसा बताया कि होली पर सब वैज वही बनता था जो हमारे हिन्दू दोस्तों के यहां बनता रहा। मगर यहां बिहार के बहुत लोग दोस्त बने। होली के दिन तो मटन खाना ही है वाले। हमारे घर में कोई सुन ले तो अभी भी डांट पड़ जाएगी कि होली के दिन मटन का क्या मेल!

हां, ईद पर वेज हमारे यहां नार्मल है। बहुत सारे दोस्त ऐसे थे जो नान वेज नहीं खाते। उनके लिए वेज के कई आइटम बनते थे और मजेदार बात यह भी बता दें कि भाजपा आरएसएस के भी बहुत दोस्त खाने पर आते थे। मगर जरूरी नहीं कि वे सब वेज हों। वेज नानवेज कभी इशु नहीं रहा। मगर अब तो यह कहां-कहां तक विभाजन पहुंचा देंगे कहना मुश्किल है।

मगर हम तो और हम क्या? देश के अधिकांश हिन्दू-मुसलमान सब यहीं कहेंगे-

चाहे जितनी कोशिश कर लो यह देश सब त्यौहार मिलजुल कर मनाता है। और मनाता रहेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

शकील अख्तर

टीवी देखने की अब हिम्मत नहीं है, अख़बार ही नहीं पढ़े जाते! गोदी मीडिया ने घृणा कहीं और फैलाने की कोशिश की थी मगर वह सबसे ज्यादा खुद उसके खिलाफ फैल गई। जैसे घृणित चीज से आदमी दूर रहता है वैसे ही इनके टीवी और अखबारों से रहने लगा। मगर मुसलमान का प्यार सम्मान वैसा ही रहा। रोजा इफ्तार में आपने देखा ही कि बुलाया और पूरा सम्मान दिया।

क्या तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक एक बार फिर भाजपा के साथ गठबंधन करेगी?

■ सुशील कुट्टी

विटकलबाजी' शब्द का प्रयोग आम बात है। अगर आपको नहीं पता कि क्या हो रहा है, तो 'अटकलबाजी' काम आता है। पत्रकारों के लिए 'अटकलबाजी' पर वापस आना स्वाभाविक है, ताकि कोई मुद्दा न उठाया जाये।

अभी अटकलें लगाई जा रही हैं कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को भाजपा और अन्नाद्रमुक के बीच क्या बातचीत चल रही है, इसकी कोई जानकारी नहीं है। फिर भी भाजपा-अन्नाद्रमुक हलकों में क्या पक रहा है, इस बारे में मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की दिलचस्पी ने तमिलनाडु के राजनीतिक हलकों को जकड़ लिया है। भाजपा और अन्नाद्रमुकनेताओं के बीच हुई बैठकों ने इस मामले को और भी उलझा दिया है। सबसे हालिया मुलाकात अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच देश की राजधानी दिल्ली में हुई।

इससे 'संभावित गठबंधन' की 'अटकलें' लगने लगीं और स्टालिन अपनी वास्तविक और काल्पनिक चिंताओं को कम करने के लिए इसकी पुष्टि चाहते थे। 2026 के विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और यह मोड़ 2025 के कुछ मोड़ों से ज्यादा दूर नहीं है: तमिलनाडु में चुनाव होंगे और द्रमुक सत्ता विरोधी लहर से जूझ रही है!

इसके अलावा, भाजपा यह अनुमान लगा रही है कि तमिलनाडु की जनता के बीच उसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। खासकर, भाजपा के तमिलनाडु में भविष्य के दारोमदार के अन्नामलाई के लिए, जो भाजपा के लिए एंटीना हैं और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के लिए अभिशाप। जब भी एम के स्टालिन अपनी सरकार की उपलब्धियों पर आराम करते हैं, अन्नामलाई गुब्बारे में हवा भर देते हैं।

इतना ही नहीं, स्टालिन के उत्तराधिकारी उदयनिधि स्टालिन पिछले कुछ महीनों से असामान्य रूप से शांत हैं। युवा स्टालिन, अन्यथा, भूमध्य रेखा के इस तरफ सबसे ज्यादा बात करने वाले व्यक्ति थे, जिन्होंने बहुत सारी बातें कीं। मुख्यमंत्री स्टालिन भी इस अटकलबाज़ी से चुप थे कि उनमें एक महान प्रधानमंत्री बनने की क्षमता है!

कोई बात नहीं, यह एक सपना भी था और अटकलबाज़ी भी थी। इसके बारे में भी सोचें – अटकलबाज़ी थी कि स्टालिन, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे या राहुल गांधी नहीं तो पिनाराई विजयन एक अच्छे प्रधानमंत्री बन सकते हैं!

इन सबके बीच, भाजपा और अन्नाद्रमुक एक बार फिर 'संभावित गठबंधन' के लिए बातचीत कर रहे थे। ऐसी बातें हमेशा राजनीतिक बवंडर में उड़ जाती थीं और भाजपा और अन्नाद्रमुक दोनों हमेशा अपनी-अपनी मीठी राह पर चलते थे, हाथ जेब में डाले हुए।

किसी को इस बात को स्पष्ट करना चाहिए। पत्रकारों पर इसे छोड़ना अब तक कारगर नहीं रहा है। पलानी स्वामी से संपर्क किया गया और उन्होंने कहा: 'हमारी विचारधारा अपरिवर्तित है। गठबंधन परिस्थितियों और अवसरों के अनुसार बदलेंगे। क्या सभी सहयोगी हमेशा के लिए द्रमुक के साथ रहेंगे? अगला चुनाव अगले मार्च में ही है, और हमारे पास इन मामलों पर निर्णय लेने के लिए एक साल है।'

अगर ईपीएस अन्नाद्रमुक के इतने बड़े पदाधिकारी नहीं होते, तो उन्हें 'स्रोतों' की सूची से हटा दिया जाता। लेकिन फिर, अटकलें लगाने के लिए क्या बचा रह जाता? 'कुछ पर्यवेक्षकों' का मानना है कि 'अन्नाद्रमुक में कई लोग' वैचारिक मतभेदों के कारण अनुमान लगाने से हिचकिचाते हैं।

इसके बावजूद, तमिलनाडु की राजनीति में दोनों दलों के अस्तित्व के लिए भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन महत्वपूर्ण है इसलिए भी क्योंकि द्रमुक 'हिंदी थोपने' से लेकर 'द्रविड़ खतरे में है' तक, अत्यधिक भावनात्मक मुद्दों के समुद्र में पनपती है।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन अपने बेटे उदयनिधि की तरह अभिनेता नहीं हैं और न ही अपने पिता एम करुणानिधि की तरह गीतकार-पटकथा लेखक हैं, लेकिन वे अटकलों के उस्ताद हैं। अटकलों को हवा देने वाली बात यह है कि पलानी स्वामी-अमित शाह की मुलाकात, खास तौर पर इसकी 'टाइमिंग', द्रमुक को मुश्किल में डाल रही है क्योंकि वह परिसीमन और हिंदी थोपने के मुद्दे पर केंद्र के साथ मतभेद में है, जो दोनों ही 'वास्तविक' हैं और 'मात्र अटकलें' नहीं हैं।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने घोषणा की है कि वह तमिलनाडु के 39 सांसदों का नेतृत्व करेंगे और 'निष्पक्ष परिसीमन' के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मिलेंगे। यह चर्चा के बीच है कि स्टालिन अभी भी 'दक्षिण के राजनेताओं' के बीच 'दक्षिण में भाजपा विरोधी विपक्ष के चेहरे' के रूप में शीर्ष स्थान पर हैं।

ईपीएस और भाजपा दोनों ही एम के स्टालिन की स्थिति से वाकिफ हैं और अटकलें लगाई जा रही हैं कि पलानी स्वामी और शाह दोनों के पास भाजपा और अन्नाद्रमुक दोनों को परेशान करने वाली राजनीतिक विसंगतियों के सामने एक समझौते पर पहुंचने और आत्मसमर्पण करने के लिए बहुत कम समय है। ईपीएस और अमित शाह के बीच बैठक इस बात का संकेत थी कि दोनों पार्टियों, भाजपा और अन्नाद्रमुक को मिलकर काम करना होगा और 2026 के चुनावों के लिए बहुत कम समय बचा है। क्या यह बात के अन्नामलाई को समझ में आ गयी है, जो 2023 से ही अन्नाद्रमुक पर लगातार हमला कर रहे थे?

इसलिए, भाजपा और अन्नाद्रमुक का 'शीर्ष नेतृत्व' आमने-सामने है। संदेश यह है कि मतभेदों को दूर किया जाना चाहिए और व्यवस्था कायम रहनी चाहिए। यही कारण है कि द्रमुक नेतृत्व को यह अनुमान लगाने पर मजबूर होना पड़ा है कि 'भाजपा-अन्नाद्रमुक हलकों में क्या चल रहा है?' मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को अन्नाद्रमुक या भारतीय जनता पार्टी में किसी भेदिए की जरूरत है! यह तब है, जब चर्चा इस बात पर भी जोर दे रही है कि 'उच्चस्तरीय संचालन समिति' का गठन किया जायेगा और अन्नामलाई को संयम बरतने की चेतावनी दी गयी है। दूसरी तरफ, ईपीएस ने भाजपा से कहा है कि वह अन्नाद्रमुक के बागी टीटीवी दिनाकरन और ओ पन्नीर सेल्वम को बाहर रखे।

भाजपा और अन्नाद्रमुक के बीच गठबंधन का एक लंबा और कभी-कभी मुश्किल भरा इतिहास रहा है, जो उस समय से शुरू हुआ जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और जे जयललिता अन्नाद्रमुक सुप्रीमो थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने से चीजें नहीं बदलीं।

लेकिन जब 'अम्मा' ने दुनिया को अलविदा कहा, तो दोनों दलों ने एक बार फिर गठबंधन किया और यहां तक कि वे 2019 के लोकसभा चुनाव भी एक साथ लड़े। लेकिन 2019 और 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके की शानदार जीत ने उनके लिए आखिरी तिनका साबित किया। सितंबर 2023 में दोनों पार्टियों ने प्रधानमंत्री मोदी के चहेते, डार्क-हॉर्स के अन्नामलाई की मदद से अलग होने का फैसला किया।

भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों में तमिलनाडु में अपने वोट शेयर में बढ़ोतरी देखी। अटकलें जारी हैं कि अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन करने से इसके वोट-शेयर और चुनावी प्रदर्शन में भी सुधार होगा। लेकिन अटकलें मुफ्त में आती हैं और इसमें कोई शर्त नहीं होती। वास्तविकता यह है कि 'वैचारिक मतभेद' हैं और अन्नाद्रमुक को एम के स्टालिन और उदयनिधि स्टालिन से कम 'द्रविड़' नहीं माना जा सकता। बनिया-ब्राह्मण भारतीय जनता पार्टी द्रविड़ लूप से पूरी तरह बाहर है।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन अपने बेटे उदयनिधि की तरह अभिनेता नहीं हैं और न ही अपने पिता एम करुणानिधि की तरह गीतकार-पटकथा लेखक हैं, लेकिन वे अटकलों के उस्ताद हैं। अटकलों को हवा देने वाली बात यह है कि पलानी स्वामी-अमित शाह की मुलाकात, खास तौर पर इसकी 'टाइमिंग', द्रमुक को मुश्किल में डाल रही है क्योंकि वह परिसीमन और हिंदी थोपने के मुद्दे पर केंद्र के साथ मतभेद में है, जो दोनों ही 'वास्तविक' हैं।

ललित सुरजन की कलम से

यात्रा वृतांत: शिलांग : इन पुरखों को प्रणाम

'वाकया कोई दो सौ साल पुराना है। सन् 1830-40 के आसपास का। मेघालय की राजधानी शिलांग से लगभग अस्सी किलोमीटर दूर रिवाई गांव के निकट एक पहाड़ी नदी पर बने पुल की ओर हम चलते हैं। यह एक अद्भुत पुल है। यह न सीमेंट से बना है और न पत्थर से, और न ही लकड़ी के तख्तों से। सीमेंट का आविष्कार तो सौ साल बाद 1938 में हुआ। यह खासी जनजाति का इलाका है। नदी के उस पार गांव के लोगों को बरसात के मौसम में चारों तरफ से संपर्क कट जाने के कारण अनेक तकलीफों का सामना करना पड़ता था। तब इस गांव के बुद्धिमानों ने एक उपाय खोजा। उन्होंने दोनों किनारों पर रबर के बहुत से पेड़ लगाए। प्रसंगवश कह दूं कि रबर पीपल की प्रजाति का ही एक वृक्ष है। ये पेड़ थोड़े बड़े हुए और इनकी जड़ें हवा में झूलने लगीं तो जड़ों को आपस में बांधकर पुल बना लिया गया। सुनने में बात बहुत सरल लगती है, लेकिन पेड़ों को लगाना, जड़ों का बढना, उनको आपस में जोडना और ऐसी मजबूती देना कि आने-जाने में कोई भय न हो, क्या कोई आसान काम रहा होगा?'

(देशबन्धु में 30 मार्च 2017 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2017/03/blog-post_29.html

गुरुवाणी विचार

गउड़ी महला 9

साधो इह मन गहियो न जाई-
चंचल तिरिसना संग बसत है या ते धिर न रहाई।

इन पंक्तियों में नौवें नानक गुरुतेग बहादुरजी मानव मन को संबोधित करते हुए कह रहे हैं कि इंसान के मन को समझना बहुत कठिन है क्योकि इंसान के मन के साथ आशा, तृष्णा, नामक दो चंडालनें चिपकी रहती है जो उसे कभी सीधा चलने नहीं देती। मन कवि की कल्पना से भी तेज चलता है इसलिए उसकी पहुंच हर जगह हो जाती है। इसी कारण यह माया के जाल में फंसा रहता है और कभी भी सीधे रास्ते पर नहीं चल पाता। हर वक्त विषय विकारों में गलतान रहता है। माया रचियता अज्ञान के अंधेरे में पागल हाथी समान संसार में भटकता रहता है। जिस तरह हाथी को वश में लाने के लिए एक महावत अंकुश का इस्तेमाल करके काबू में रखता है। हमें भी सिमरन बंदगी रूपी मथनी से मथ कर प्रभु भक्ति में मन लगाना पड़ेगा। इसके लिए हमें ऐसी संगत में हर वक्त जाते रहना पड़ेगा जहां प्रभु कीर्तन होता हो। जहां प्रभु कथा होती हो तथा ऐसी पुस्तकें पढ़नी पड़ेंगी जिससे हम प्रभु के सिमरन बंदगी में अपने मन को जोड़ सकें। हालांकि यह बहुत ही कठिन काम है क्योंकि मन हर वक्त विषय विकारों की तरफ दौड़ता रहता है परन्तु हमें इसे जबरन प्रेरित कर साध संगत में ले जाना पड़ेगा। बार बार प्रभु कथा कीर्तन उसे सुनाते रहना पड़ेगा। ताकि एक आध अक्षर ही सही उसके हृदय में बस जाए। क्योंकि कहा गया है कि-कनका एक जिस जीऊ बसावै। ताकि महिमा गानी न पड़े। जिस तरह सागर की मौजों से टकराते टकराते अथवा नदी की लहरों से ठोकर खाते खाते एक टेढ़ा मेढ़ा पतथर भी मिलकर पूज्यनीय मूर्ति सालिग राम या शिवलिंग बन जाता है। ठीक उसी तरह बार -बार सतसंग करते करते मन कभी न कभी तो चेत जाएगा और प्रभु संकीर्तन में जुड़ जाएगा। क्योंकि आपदाओं तथा विघ्नों से जूझने वाला मनुष्य ही ज्ञानवान तथा चेतन सालिगराम बन जाता है।

भक्त कबीर दास जी के मुताबिक यह मन बन का एक उड़न पखेरू है जो हर बात अपने उदर पोषण हेतु भटकता रहता है। कहे कबीर सुनो रे संतों ऐह मन उड़न पखेरू बन का।

अचेत मन हर वक्त दूसरों का बुरा ही मांगता रहेगा। साध संगत में भी कोई पूरा सुचेत रहता है कोई आधा सुचेत हो पाता है। कोई दस प्रतिशत। कथा सुनाने वाले भी अपनी रोजी रोटी की खातिर ही औरों को धार्मिक गीत सुनाते रहते हैं। कोई विरला ही प्रभु को मन में बसा पाता है। गरीब मुल्ला भी वैसे तो जाग जाग कर मस्जिद में पांचों वक्त नमाज अदा करता है पर उसका यह काम सिर्फ अपनी रोजी रोजगार का साधन ही होता है। इसलिए हमें भी परमात्मा के सिमरन बंदगी में मन रमाना चाहिए। हक की कमाई कर सरबद के भले की राह पर चल सके। तभी हमारा लोक और परलोक दोनों सुखी हो सकते हैं-

ऐह लोक सुखिये परलोक सुहेले
नानक हरि प्रभु आपै मेले।

इसलिए अपने मन को हर वक्त हमें समझाते रहना है। सिमरन भजन रूपी अंकुश मारते रहना पड़ेगा। इसलिए गुरुवाणी हिदायत देती है। इस मन को कोई खोजो भाई मन खोजत ना नवनिध पाई। हमने अगर मन को प्रभु के चरणों की तरफ मोड़ लिया तो समझ लो हमने नवनिधियां और अठारह सिद्धियों की प्राप्ति कर ली। मन जीते जग जीते। क्योंकि वह फिर अपने अंदर ही विराजमान प्रभु परमात्मा के दर्शन कर पाएगा इसलिए गुरवाणी द्वारा हमें समझाया गया है।

मन मेरया अंतर तेरे निधान है बाहर वसत न भाल।

-इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

भूकम्प से दुनिया को गंभीर संकेत, म्यांमार,थाईलैंड में दुःखद हाहाकार

म्यांमार,थाईलैंड में भूकंप,प्रकृति से खिलवाड़ का क्रूरतम प्रतिफल ही है। हजारों की इहलीला खत्म हुई है, संपत्ति का नुकसान अलग हुआ है। लोगबाग बेखर हो चुकें हैं चारों तरफ तबाही का मंजर है। जिस तरह इन देशों में प्रकृति का संतुलन बिगड़ा है और बेतरतीब वनों की कटाई, पानी का दुरूपयोग और बड़ी-बड़ी अट्टालिकाओं के निर्माण ने प्रकृति को ललकारा है नतीजे के तौर 4.1 रिक्टर का भूकंप भारी जानमाल की तबाही लेकर आया है। भूकंप के झटके भारत, चीन, इंडोनेशिया, बर्मा आदि में भी महसूस हुए हैं। हमें अब सावधान हो जाना चाहिए, प्रकृति से बेजा खिलवाड़ बंद करना होगा वर्ना भयावह नतीजे सामने हैं ही। हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जीती बड़ी से बड़ी होती गई। आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई-नई तकनीक ट्रैक्टर, रासायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनीयों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कलकल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे-मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा-भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी न मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने,महानगर ब ने, मकान बने किन्तु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत। हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन, पानी, हरियाली,पक्षी, जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध काक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए। महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा, सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

-संजीव ठाकुर

प्रदेश में बिजली की दरें बढ़ीं, आयोग ने 3.46 प्रतिशत वृद्धि को दी मंजूरी

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में गर्मी के मौसम में आम जनता को बिजली का बड़ा झटका लगा है। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने वर्ष 2025-26 के लिए बिजली की दरों में 3.46 फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। हालांकि, स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को दिन में बिजली खपत पर 20 फीसदी तक की छूट मिलेगी।

राज्य विद्युत नियामक आयोग ने नया टैरिफ ऑर्डर जारी किया है, जो जल्द ही लागू होगा। बिजली कंपनी ने 7.52 फीसदी की बढ़ोतरी की मांग की थी, लेकिन आयोग ने केवल 3.46 फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दी। नए दरें एक अप्रैल से लागू होगी। इसके अलावा, सभी लो प्रेशर और हाई प्रेशर मौसम वाले उपभोक्ताओं के लिए राहत देते हुए न्यूनतम प्रभार को समाप्त कर दिया गया है। नई बिजली दरें अप्रैल से लागू हो जाएंगी, और मई महीने से उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई दरों के साथ बिल मिलेगा। 50 यूनिट तक बिजली जलाने वाले उपभोक्ताओं को 18 पैसे प्रति यूनिट ज्यादा चुकाने होंगे, वहीं 150 यूनिट तक खपत करने पर 26 पैसे प्रति यूनिट महंगी बिजली का बिल आएगा।

37 लाख कृषि उपभोक्ताओं को मिल रहा है सब्सिडी का लाभ- नियामक आयोग द्वारा 29 मार्च 2025 को जारी विद्युत दरों के अनुसार क्रमश: 3 हॉर्स पॉवर, 5 हॉर्स पॉवर

एवं 10 हॉर्स पावर के पंप पर कृषि उपभोक्ताओं को पूरे वर्ष में 30,730 रूपये, 54,671 रूपये एवं 1,15,655 रूपये का देयक बनता है। इसमें राज्य शासन द्वारा कृषि पंपो पर की गई सब्सिडी की घोषणा अनुसार किसानों को मात्र 750 रूपये प्रति हॉर्स पॉवर प्रति वर्ष अर्थात किसानों को 3 हार्स पॉवर पंप पर 2250 रूपये, 5 हार्स पॉवर के पंप पर 3750 रूपये एवं 10 हार्स पॉवर के पंप पर 7500 रूपये का ही भुगतान करना होगा।

कृषि मंत्री प्रदम तोमर ने बताया कि कृषि उपभोक्ताओं को विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी दरों पर सब्सिडी स्वीकृत की गई है। इसके अनुसार उपभोक्ता द्वारा दी जाने वाली राशि(रू. 750 प्रति हॉर्स पॉवर) एवं आयोग द्वारा जारी दरों का अंतर सरकार

सौ यूनिट तक के बिल पर 24 रुपये बढ़ेंगे

घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक के बिल पर 24 रुपये तक बढ़ाये गये हैं, परंतु इन उपभोक्ताओं को अटल ग्रह ज्योति योजना के तहत पहले की तरह मात्र 100 रुपये का ही भुगतान करना है. बढ़ी हुई राशि राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में भुगतान की जाएगी. गैर घरेलू उपभोक्ताओं को छोड़कर अन्य सभी निम्न-दाब उपभोक्ता श्रेणी की न्यूनतम दर बिलिंग (टैरिफ मिनिमम बिलिंग) पहले ही समाप्त की जा चुकी है।

स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को 20 फीसदी की छूट

स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को दिन के समय बिजली की खपत पर 20 फीसदी तक की छूट मिलेगी, और इन उपभोक्ताओं को मीटरिंग प्रभार भी नहीं देना होगा। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 100 यूनिट तक के बिल पर 24 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है, लेकिन अटल गृह ज्योति योजना के तहत उन्हें पहले की तरह 100 रुपये ही चुकाने होंगे। बढ़ी हुई राशि राज्य सरकार सब्सिडी के रूप में भुगतान करेगी।

कृषि उपभोक्ताओं के बिलों का 93 प्रतिशत सब्सिडी के रूप में वहन करेगी सरकार

भोपाल, देशबन्धु। नियामक आयोग द्वारा 29 मार्च 2025 को जारी विद्युत दरों के अनुसार क्रमश: 3 हॉर्स पॉवर, 5 हॉर्स पॉवर एवं 10 हॉर्स पावर के पंप पर कृषि उपभोक्ताओं को पूरे वर्ष में 30,730 रूपये, 54,671 रूपये एवं 1,15,655 रूपये का देयक बनता है। इसमें राज्य शासन द्वारा कृषि पंपो पर की गई सब्सिडी की घोषणा अनुसार किसानों को मात्र 750 रूपये प्रति हॉर्स पॉवर प्रति वर्ष अर्थात किसानों को 3 हार्स पॉवर पंप पर 2250 रूपये, 5 हार्स पॉवर के पंप पर 3750 रूपये एवं 10 हार्स पॉवर के पंप पर 7500 रूपये का ही भुगतान करना होगा।

श्री तोमर ने बताया कि सरकार द्वारालिये गये निर्णय के अनुसार कृषिउपभोक्ताओं को विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी दरों पर सब्सिडी स्वीकृत की गई है। इसके

37 लाख कृषि उपभोक्ताओं को मिल रहा लाभ

अनुसार उपभोक्ता द्वारा दी जाने वाली राशि(रू. 750 प्रति हॉर्स पॉवर) एवं आयोग द्वारा जारी दरों का अंतर सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। शेष 93 प्रतिशत राशिसरकार सब्सिडी के रूप में वहन करेगी। प्रदेश में लगभग 37 लाख कृषिउपभोक्ता हैं जो सब्सिडी का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। राज्य शासन द्वारा वित्तीय वर्ष के दौरान कृषिश्रेणी के उपभोक्ताओं के अलावा 150 यूनिट प्रति माह तक मासिक खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं को प्रथम 100 यूनिट पर मात्र 100 रूपये का ही भुगतान करना होता है जबकि 100 यूनिट खपत पर शहर के प्रत्येक घरेलू उपभोक्ताओं के लिये सरकार सब्सिडी के रूप में लगभग 566 रूपये का भुगतान करेगी।

7 लाख मीट्रिक टन से अधिक का गेहूँ उपार्जन

समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं का सुरक्षित भण्डारण सुनिश्चित करें

भोपाल, देशबन्धु। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मौसम विभाग द्वारा प्रदेश में आगामी दिनों असामयिक वर्षा होने का पूर्वानुमान जारी किया गया है। अत: रबी विपणन वर्ष 2025-26 में अभी तक उपार्जित गेहूँ का परिवहन एवं भण्डारण सुनिश्चित करें। इस तरह के प्रयास करें कि किसी भी उपार्जन केन्द्र पर असामयिक वर्षा से गेहूँ भीगना नहीं चाहिए।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा है कि अभी तक 7 लाख 98 हजार 461 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। इसमें से 6 लाख 96 हजार 625 मीट्रिक टन उपार्जित गेहूँ का परिवहन एवं भण्डारण किया जा चुका है। शेष मात्रा 1 लाख 1 हजार 836 मीट्रिक टन गेहूँ का परिवहन एवं भण्डारण अति शीघ्र करवायें।

कलेक्टर्स को निर्देशित किया गया है कि उपार्जन केन्द्रों पर उपलब्ध गेहूँ का परिवहन कर गोदामों में सुरक्षित भण्डारण के लिये जरूरी हो तो अन्य परिवहनकर्ताओं के ट्रकों को इस कार्य में लगाएं। गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों पर खुले में भण्डारित गेहूँ को समितियों के माध्यम से गोदामों में भण्डारण सुनिश्चित करें। उपार्जन केन्द्रों पर गेहूँ की स्टेक लगाकर पक्के प्लेटफार्म पर भण्डारित करायें और उसे तिरपाल से कवर करवायें। नियुक्त नोडल अधिकारी अपने-अपने केन्द्र पर उपस्थित रहकर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

पश्चिम बंगाल: मोथाबाड़ी में सांप्रदायिक तनाव, 57 लोग गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबाड़ी में तनाव जारी है। यहां पर पिछले सप्ताह सांप्रदायिक हमले हुए थे। राज्य पुलिस ने इस मामले में अब तक 57 लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। जबकि राज्य पुलिस ने कलकत्ता हाईकोर्ट में भी दावा किया कि मोथाबाड़ी की स्थिति लगभग नियंत्रण में है, वहीं राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इन दावों का खंडन किया। शुभेंदु अधिकारी के अनुसार, यदि स्थिति नियंत्रण में होती तो तनाव वाले स्थानों से दूर बैरिकेड्स लगाकर विपक्षी पार्टी के नेताओं और मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाता। शुभेंदु अधिकारी ने पिछले सप्ताह राज्यपाल सीवी आनंद बोस को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने उनसे अनुरोध किया था कि वे राज्य सरकार को निर्देश दें कि स्थिति नियंत्रण में आने तक मोथाबाड़ी में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को तैनात किया जाए। इस बीच, पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार रविवार को मोथाबाड़ी का दौरा करेंगे और प्रभावित हिंदू परिवारों के सदस्यों से बात करेंगे। तनाव वाले स्थानों के आसपास पहले से ही बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं, संभवत: मजूमदार और उनके साथियों को अशांत क्षेत्र में जाने से रोकने के लिए। जिला पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इलाके में तनाव को फिर से भड़कने से रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था

भाजपा ने इस मामले की एनआईए से जांच कराने की मांग की

की गई है। इस बीच, पश्चिम बंगाल में भाजपा नेतृत्व ने इस मामले की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग करते हुए इस सप्ताह कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी शुरू कर दी है।

कलकत्ता हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने पहले ही मालदा के जिला मजिस्ट्रेट और जिला पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी है कि मोथाबाड़ी में तनाव कैसे भड़का। हाईकोर्ट को ये रिपोर्ट सौंपने की अंतिम तारीख तीन अप्रैल है। शनिवार शाम को पश्चिम बंगाल पुलिस के दो अधिकारियों ने आगामी रामनवमी के शुभ अवसर पर राज्य में शांति भंग करने के संभावित प्रयासों के प्रति चेतावनी जारी की थी। अतिरिक्त महानिदेशक (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार ने दावा किया कि पुलिस को कुछ निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा आगामी दिनों में हिंसा भड़काने की कोशिश के बारे में विशिष्ट खुफिया जानकारी मिली है।

सरकार ने कहा, 'विभिन्न पोस्टरों या पोस्ट के माध्यम से लोगों को भड़काने की योजना है। पुलिस सतर्क है। विभिन्न समुदायों के लोगों के बीच तनाव भड़काने की कोशिश हो सकती है, खासकर रामनवमी के अवसर पर। हम लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे उकसावे में न आएं। चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन साथ ही हम लोगों से यह भी अनुरोध करते हैं कि वे सतर्क रहें और अपने-अपने क्षेत्रों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि को देखने पर स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम अंतर्गत दिया प्रशिक्षण

गुना, देशबन्धु। एकीकृत बाल विकास परियोजना बमोरी में संचालित आज 251 आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम अंतर्गत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में इन आंगनबाड़ियों में पदस्थ 242 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम का बैच बनाकर 3 बैच में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

प्रथम बैच 24 से 26 मार्च द्वितीय तृतीय मैच 27 से 29 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा ईसीसीई के सूत्रीकरण के लिए पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में सक्षम आंगनबाड़ी और मिशन पोषण 2-0 के तहत एक कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत क्षमता संवर्धन के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में ईसीसीई पाठ्यक्रम और शैक्षणिक दृष्टिकोण की समझ विकसित करने के लिए यह प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर पर्यवेक्षक श्रीमती वंदना रघुवंशी, कमलेश नामदेव, पति सुनीता काकोरिया प्रभारी परियोजना अधिकारी द्वारा दिया जा रहा है।

शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विक्रमोत्सव में उप मुख्यमंत्री बोले-

देश को विकसित बनाने सबको संकल्पित होकर कार्य करना होगा

भोपाल, देशबन्धु। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि प्रदेश की युवा पीढ़ी को नव संवत्सर मनाने के लिये प्रदेश के ग्रामीण स्तर तक नव वर्ष की जानकारी पहुंचानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रतिपदा, नव संवत्सर, हिन्दू नव वर्ष और गुड़ी पड़वा आज चैत्र नवरात्र से शुरू होता है। आज का दिन सूर्य उपासना का दिन है। आज ही के दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण किया था। श्री देवड़ा ने कहा कि यह नव वर्ष सभी के लिए मंगलमय हो और देश-प्रदेश आगे बढ़े। प्रधानमंत्री का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक हमारा देश विकसित देशों की श्रेणी में अव्वल बने। इसके लिये हम सबको संकल्पित होकर कार्य करना होगा।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित विक्रमोत्सव-2025 कोटि सूर्योपासना के जिला स्तरीय आयोजन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने का आज शुभ दिन है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि हम प्रतिवर्ष विक्रमोत्सव मनाएंगे। उन्होंने कहा कि 31 दिसम्बर के बाद जिस पहली जनवरी को न्यू ईयर मनाया जाता है, उसका कोई इतिहास नहीं है। नव संवत्सर हमारा विजय दिवस है, शक्ति आराधना दिन है। हम सभी को आज अपने-अपने घर पर विजय पताका फहराना है। श्री शर्मा ने कहा कि दुनिया जिस कैलेन्डर पर चल रही है, उससे 57 साल पहले हमारा कैलेण्डर आ चुका था।

इस दौरान सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रीय नृत्य नाट्य की प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय, कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक, छात्र और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विद्यार्थी जी के आदर्शों पर चल, सरकार को जवाबदेह बनाएं पत्रकार: सिंधिया

अशोकनगर, देशबन्धु। *पत्रकार, पत्रकार जगत के नवरत्न गणेश शंकर विद्यार्थी जी के आदर्शों पर चलते हुए सरकार को जवाबदेह बनाने का कार्य करें। पत्रकारों का दायित्व प्रजातंत्र में संविधान के चौथे स्तंभ के रूप में पहरेदार और संरक्षक का कार्य है।*

यह बात केन्द्रीय दूर संचार मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार गुड़ी पड़वा के दिन जिला पत्रकार संघ द्वारा आयोजित अमर शहीद पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी स्मृति दिवस एवं संघ की नवीन कार्यकारिणी शपथ विधि एवं सम्मान समारोह के अवसर पर मुख्यातिथि के तौर पर बोलते हुए कही।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती जी की प्रतिमा एवं गणेश शंकर विद्यार्थी जी के चित्र समक्ष दीप प्रज्जवलित कर हुई। इस अवसर पर ज्योतिरादित्य सिंधिया का संघ के अध्यक्ष अरविन्द जैन एवं महासचिव देवेन्द्र ताम्रकार ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर आए अविभाजित गुना के वरिष्ठ पत्रकार नारायण जे.आचार्य, महावीर सिंह तोमर, योगेन्द्र लुम्बा का संरक्षक मण्डल से नीरज शुक्ला एवं पवन जैन उपाध्यक्ष मनोज कलाकार द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया।

केन्द्रीय दूर संचार मंत्री ज्योतिरादित्य

सिंधिया ने नवीन कार्यकारिणी को गुड़ी पड़वा पर बधाई और शुभकामनायें देते हुए कहा कि इस अवसर में पत्रकार संघ को जिम्मेदारी भी दे रहा हूं कि प्रजातंत्र में पत्रकारों की बहुत जिम्मेदारी है, संविधान के चौथे स्तंभ के रूप में वह पहरेदार और संरक्षक भी हैं। हर एक को सचेत और सूचित करना पत्रकारों के ऊपर जिम्मेदारी का कार्य है।

सिंधिया ने कहा कि आजादी के समय मोबाइल रूपी डब्बा नहीं हुआ करता था। पत्रकार लिखकर एक -एक गांव से दूसरे गांव सूचना पहुंचाते थे। उस समय पत्रकार जगत के नवरत्नों में गणेश शंकर विद्यार्थी ने पूरे देश को संगठित करने का कार्य किया। पत्रकार की कलम तलवार से भी तेज होती है। पर अब सोशल मीडिया का ट्रैंड आ गया है, फेक न्यूज चल रही हैं। पत्रकारों की जिम्मेदारी है, लोगों को फेक न्यूज और सत्य न्यूज में अंतर बताना।

सिंधिया ने कहा कि में पत्रकार संघ को जिम्मेदारी देता हूं कि अशोकनगर एवं आसपास के क्षमता वान युवक-युवतियों को पत्रकारिता के लिए प्रेरित करें, उनकी पाठशालायें शुरू करें, एआई का इस्तेमाल करें। उन्होंने यह भी कहा कि पत्रकार जगत में आदत हो गई है कि सेंसिटिव न्यूज करो । समाज में हो रहे अच्छे काम भी दिखाओ, देश की जनता को क्या दिखा रहे हो ,इस पर विचार कर पत्रकारिता करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जी के आदर्शों पर चलने के साथ वरिष्ठ पत्रकारों को मॉडल मानकर पत्रकारिता करें। कार्यक्रम का संचालन करते हुए संघ के संरक्षक मनोज जैन ने जिला पत्रकार संघ के विस्तार पर प्रकाश डाला एवं स्वागत भाषण संघ के अध्यक्ष अरविन्द जैन ने दिया।

सफलता का रहस्य, हनुमान चालीसा पुस्तक का विमोचन

इस अवसर पर सिंधिया ने वरिष्ठ पत्रकार नीरज शुक्ला द्वारा लिखित पुस्तक श्री हनुमान चालीसा सफलता का रहस्य का विमोचन भी किया। आयोजन में भाजपा जिलाध्यक्ष आलोक तिवारी, चंदेरी विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, मुंगावली विधायक बृजेन्द्र सिंह यादव, नगरपालिका अध्यक्ष नीरज मानोरिया, कलेक्टर सुभाष द्विवेदी, एसपी विनीत जैन एवं आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विधायक बोले मैं बिकाऊ नहीं

गुना, देशबन्धु। गुना विधायक पन्नालाल ने कहा कि हमारे सामने भी बहुत लालच और भय आते हैं, भय की तो बात नहीं, लेकिन जब कोई लालच आता है तो मैं कह देता हूं कि यह माल बिकाऊ नहीं है। मानस भवन में आयोजित नवसंवत्सर कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक पन्नालाल ने कहा कि हर कोई किसी न किसी गुण से संपन्न होता है। उसमें कुछ विशेषताएं होती हैं, पर जो श्रेष्ठ मानवीय गुण वाले होंगे, उन्हें मौका नहीं मिल पाता है। उन्होंने कहा कि हम कौन थे, क्या हो गए हम और अभी क्या होंगे, आओ विचारें आज मिलकर। जब सत्ता, शासक से कहीं गलती होती है, तो समाज उसे सुधार देता है। और जब समाज से गलती होती है, तो सत्ता उसे समझा देती है। अब ये अपन को विचार करना है कि हमको इस समाज को सुधारने के लिए सत्ता को सौंपना है, या सत्ता को सुधारने के लिए समाज को सौंपना है। श्री पन्नालाल ने कहा कि शिवाजी को उनकी मां रामायण और महाभारत के पात्रों की कथा सुनाया करती थीं। इन कथाओं को सुनकर ही शिवाजी ने अपनी मां से कहा कि आप जैसा चाहती हैं, वैसा ही बनूं। अब हमने रामायण पढ़ना बंद कर दिया।

विधायक ने किया जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

गुना, देशबन्धु। जनपद पंचायत गुना की ग्राम पंचायत सिरसी कला में विधायक पन्नालाल शाक्य द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान की का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत विधायक द्वारा ग्रामवासियों को जल संरक्षण एवं जल संवर्धन करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सिरसी कला के पंचायत भवन एवं ई-कक्ष पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया गया। साथ ही खेत तालाब, प्राचीन कुआं के मरम्मत का कार्य को प्रारंभ किया गया। विधायक द्वारा सभी ग्राम पंचायत में रूफ हार्वेस्टिंग, बोर रिचार्ज और मानसून के समय ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधे लगाने की अपील की गई।

म्याना में दुबारा लगी फसल में आग, 2 बीघे का गेहूं जला

गुना, देशबन्धु। म्याना कस्बे में एक बार फिर फायर ब्रिगेड की कमी का खामियाजा किसान को भुगतना पड़ा है। कस्बे में आगजनी की घटना सामने आई है, जिसमें करीब 2 बीघा क्षेत्र से काटकर रखी गई गेंहू की फसल जलकर राख हो गई।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं सोनीबेन शेलाभाई बांभवा निवासी-भोयरा, तहसील-विछिया, जिला-राजकोट, पिन नं. 360055 गुजरात, हिंदुस्तान में रहती हूं, और में घोषणा करती हूं कि मेरे पति बांभवा शेलाभाई मखाभाई जिसका आर्मी नं. 4587480K है और आर्मी ऑफिशियल रिकॉर्ड में गलती से मेरा नाम लामका सोनीबेन गोपालभाई दर्ज हो गया है, जबकि आधार नं. 5774 0482 5280 के अनुसार अब मेरा सही नाम- सोनीबेन शेलाभाई बांभवा है, अब मे भविष्य मे सोनीबेन शेलाभाई बांभवा के नाम से ही जानी पहचानी जाऊंगी. (शपथ पत्र नं. 2527/25 दिनांक 18.03.2025 नोटरी-जसदन)

नाम परिवर्तन सूचना

मेरा नाम राजकुमार पिता श्री परषोत्तम जाटव था। अब मेरा नाम राजकुमार जाटव पिता श्री परषोत्तम जाटव है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

पता- ग्राम डोमी तहसील देवरी
जिला-सागर मध्यप्रदेश
प्रार्थी
राजकुमार जाटव
वी.के. गुप्ता
एडव्होकेट

CHANGE OF NAME

I , LALITA SPOUSE OF NAME MORE ANIL VYANKAT HOME ADDRESS AT MU - RAKUSALEWADI , ASANGAON , SATARA , ASANGAON , MAHARASHTRA, PIN CODE - 415002 HAVE CHANGED MY NAME FROM LALITA TO LALITA ANIL MORE. VIDE AFFIDAVIT DATED 01/04/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , ASHVINI TONDE SPOUSE OF NAME TONDE BALASAHEB VINAYAK HOME ADDRESS AT SONIMOHA ,POST - CHONDI , TQ - DHARUR , DIST - BEED , STATE - MAHARASHTRA PIN CODE - 431124 HAVE CHANGED MY NAME FROM ASHVINI TONDE TO ASHWINI BALASAHEB TONDE . VIDE AFFIDAVIT DATED 01/04/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME & DOB

I , NARYANI DEVI IS MOTHER OF NO - JC573101Y RANK NB SUB NAME VIKRAM SINGH SERVING IN 3 MAHAR HOME ADDRESS AT HOUSE NO - 13 , KANDARA ROAD , KANYAS , KANDARA , RUDRAPRAYAG, KANDARA , UTTARAKHAND, 246425 HAVE CHANGED MY NAME FROM NARYANI DEVI TO NARAYANI DEVI AND CHANGED MY DOB FROM 08/05/1950 TO 01/01/1945 IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 31/03/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR MP

प्रथम पृष्ठ का शेष

मणिपुर, नगालैंड व अरुणाचल.... से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान सनसम सोनामित सिंह (27) के रूप में हुई। केसीपी (सिटी मीतेई) के एक उग्रवादी शारंगबाम थोइबा सिंह (43) को गिरफ्तार किया गया। वह काकचिंग और इंफाल पश्चिम जिलों में जबरन वसूली के मामलों में वांछित था। इसके अलावा एक 32 वर्षीय व्यक्ति को अन्य व्यक्तियों की जानकारी के बिना आतंकियों को सिम कार्ड बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसके पास से कुल 117 सिम कार्ड बरामद किए गए।

कल से बदल जाएंगे आयकर.... से बढ़ाकर 50,000 रुपए कर दिया गया है। इसका मतलब यह है कि अब बैंक जमा पर मिली 50,000 रुपए तक की राशि पर कोई टीडीएस नहीं कटेगा। 1 अप्रैल से नियोक्ताओं द्वारा दिए जाने वाले लाभ और भत्ते अब कर योग्य सुविधाओं के रूप में वर्गीकृत नहीं किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, यदि कोई नियोक्ता किसी कर्मचारी या उसके परिवार के लिए विदेश में चिकित्सा उपचार की लागत को वहन करता है, तो इस व्यय को कर योग्य लाभ नहीं माना जाएगा। टेक्सपेयर्स के पास अब अपडेटेड आयकर रिटर्न (आईटीआर-यू) दाखिल करने के लिए दो के बजाय चार साल का समय होगा। यह विस्तार व्यक्तियों को अपनी कर फाइलिंग में त्रुटियों या चूक को लंबे समय तक सुधारने की अनुमति देता है। माता-पिता के लिए एक नया टैक्स-बचत विकल्प पेश किया गया है। जो लोग अपने बच्चे के एनपीएस वात्सल्य खाते में योगदान करते हैं, वे पुरानी कर व्यवस्था के तहत 50,000 रुपए की अतिरिक्त कटौती का दावा कर सकते हैं।

जहां सेवा कार्य, वहीं.... को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने यहां आगंतुक पुस्तिका पर हस्ताक्षर भी किए और एक खास संदेश भी लिखा। पीएम मोदी ने लिखा, परम पूजनीय डॉ. हेडगेवार और पूज्य गुरुजी को शत शत ममन। उनकी स्मृतियों की संजोने, इस स्मृति मंदिर में आकर अभिभूत हूं।

30 करोड़ के खजूर, 72 करोड़.... की कीमत 3 लाख रुपए है। तरबूज की खेप की उत्पत्ति के बारे में बशीर ने बताया कि तरबूज गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक से आते हैं। हालांकि इसके लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन इस सीजन में कीमतें पिछले साल की तुलना में अधिक उचित थीं। मौसम इतना गर्म नहीं होने के बावजूद, तरबूज कश्मीरियों का पसंदीदा फल बना हुआ है। तरबूज और केले की खपत में वृद्धि के पीछे के कारणों के बारे में पूछे जाने पर बशीर ने कहा कि खजूर के अलावा - जिसे पारंपरिक रूप से उपवास तोड़ने के लिए खाया जाता है - ये दोनों फल इफ्तार समारोहों में मुख्य बन गए हैं, चाहे वे राजनेताओं द्वारा आयोजित किए गए हों या स्थानीय मस्जिदों द्वारा। हालांकि यह आंकड़े सिर्फ कश्मीर वादी के हैं और जम्मू संभाग में होने वाली खपत के आंकड़े फिलहाल उपलब्ध नहीं हो पाए थे।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से लेकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत

सरकारी खजाने को ठिकाने लगा रहे सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक

स्टीमेट अनुसार सार्वजनिक कूप का निर्माण कार्य कराया

उपयंत्री ने चढ़ाया मूल्यांकन और सचिव ने किया भौतिक सत्यापन कर 5 लाख 35 हजार रुपए की निकाली राशि

टीकमगढ़, देशबन्धु । बल्देवगढ जनपद क्षेत्र में भ्रष्टाचार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। निर्माण कार्यों में आए दिन भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं। ग्राम धनेरा में मनेरगा के तहत सार्वजनिक निर्माण और हितग्राही मूलक योजना एवं 15 में वित्त कार्यों में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि धनेरा ग्राम में इन दिनों ग्राम पंचायत सरपंच, ग्राम रोजगार सहायक, सचिव, उपयंत्री द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जहां पर निर्माण कार्यों में एस्टीमेट के अनुपात में मटेरियल का उपयोग नहीं किया जा रहा है जिससे निर्माण कार्य का निर्माण होने के पूर्व जगह-जगह निर्माण कार्य की पोल खुलती नजर आ रही है। ग्राम धनेरा में सेनपाई मोहल्ला में सार्वजनिक पेयजल कूप निर्माण कार्य 5 लाख 35 हजार की लागत से स्वीकृत है।

ग्राम पंचायत एजेंसी द्वारा स्टीमेट के मुताबिक सार्वजनिक कूप निर्माण नहीं कराया गया है जबकि स्टीमेट यह है कि 15 मीटर गहराई और 6 मीटर चौड़ाई स्टीमेट बताई जा रही है, लेकिन पंचायत एजेंसी की मिलीभगत से सार्वजनिक कूप निर्माण तालाब की खदान में बनाकर इसकी गहराई करीबन 15 फीट भी नहीं होगी। इस सार्वजनिक कूप का निर्माण 6 एस्टीमेट के अनुसार नहीं किया गया है जो कि एक जांच का मुख्य बिंदु है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि सरपंच, ग्राम रोजगार सहायक, सचिव और उपयंत्री की मिली भगत से गांव में होने वाले निर्माण कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है, जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने कलेक्टर से लेकर सीएम हेल्पलाइन पर की है। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में निर्मित नाली सीसी सड़क का घटिया निर्माण कराया गया, जिसमें एस्टीमेट के अनुसार सार्वजनिक कूप निर्माण कार्य नहीं किया गया है जो कि एक जांच का मुख्य बिंदु है।

इनका कहना है,

ग्राम पंचायत घनेरा में सार्वजनिक कूप निर्माण स्टीमेट अनुसार कराया गया है, इसकी वैधानिक जांच करने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

रोहित सगरिया, एसडीओ जनपद पंचायतबल्देवगढ़

डीआईजी ने एसपी के साथ की समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस उप महानिरीक्षक छतरपुर रेंज छतरपुर ललित शाक्यवार द्वारा पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई के साथ पुलिस कंट्रोल रूम में 29 मार्च को जिले के थाना व चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली गई। उक्त अपराध समीक्षा बैठक में आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए सभी थाना प्रभारियों को शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही अपराध नियंत्रण एवं आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया। समीक्षा बैठक के दौरान डीआईजी ने प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। जिसमें लंबित अपराधों की समीक्षा कर निराकरण करने। लंबित चालान की समीक्षा कर अधिक से अधिक चालान निराकरण करने। गुम इंसान, बालक, बालिकाओं का पता कर दस्तयाब करने। शिकायतों का अधिक से अधिक निराकरण करने। अनुसूचित जाति, जनजाति के विरुद्ध घटित अपराधों में त्वरित कार्यवाही करने। लंबित खात्मा, खारिज़ी की समीक्षा पश्चात आवश्यक कार्यवाही करने। लघु अधिनियम, जुआ एक्ट, आबकारी एक्ट, आर्म्स एक्ट आदि की समीक्षा एवं प्रभावी कार्यवाही करने। सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों को यथाशीघ्र संतुष्टि पूर्वक निराकरण करने। स्थाई वारंटो की तामील कराकर वारंटी को न्यायालय में पेश करने, उक्त बिंदुओं पर पुलिस उप महानिरीक्षक द्वारा पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी व जतारा एवं थाना व चौकी प्रभारी के साथ समीक्षा की गई एवं प्रभावी कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। इस बैठक में एसडीओपी पुलिस टीकमगढ़ राहुल कटरे, एसडीओपी पुलिस जतारा अभिषेक गौतम, उप पुलिस अधीक्षक अजाक दिलीप पांडे, रक्षित निरीक्षक विशाल मालवीय, जिले के सभी थाना व चौकी प्रभारी सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय का पुलिस स्टाफ शामिल हुआ।

तत्कालीन सीएमओ सहित ऑपरेटर पर मामला दर्ज कराने थाने पहुंची महिला कर्मचारी

बड़ागांव धसान, देशबन्धु। नगर परिषद् में पदस्थ प्रभारी लेखा अधिकारी ने तत्कालीन सीएमओ सहित एक अन्य कर्मचारी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर मामले की शिकायत बड़ागांव पुलिस थाने में की है।

शिकायतकर्ता कस्तूरी अहिरवार ने बताया कि वह वर्ष 2023 से नगर परिषद् बड़ागांव में लेखा शाखा एवं भंडारण का चार्ज है। उनकी लेखा से संबंधित भुगतान आईडी, पासवर्ड बनवाने के लिए तत्कालीन सीएमओ ज्योति सुनहरे व कंप्यूटर ऑपरेटर राहुल खरे ने उनका आधार कार्ड, पैनकार्ड और फ्गिार यह कह लिए थे कि आपका आईडी, पासवर्ड बनाना है। उनकी आईडी का उपयोग तत्कालीन सीएमओ ज्योति सुनहरे और दिलीप पाठक करते रहे।जो मोबाइल नंबर उनकी आईडी से जोड़ा गया था उस पर केवल उनकी वेतन का मैसेज आता है। उन्होंने उक्त दोनों सीएमओ सहित ऑपरेटर राहुल खरे पर फर्जी तरीके से करोड़ों रुपए के भुगतान करने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी निर्माण सहित अन्य भुगतान की फाइल ऑफ्सि से गायब कर दी गई है। तत्कालीन सीएमओ दिलीप पाठक के निलंबन के बाद उन्होंने पाया कि कैसबुक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा लिखाई गई, वहीं निवर्तमान सीएमओ ज्योति सुनहरे और दिलीप पाठक ने राहुल खरे के साथ मिलकर बहुत सी सामग्री अवैध तरीके से खरीदी और फर्जी बिल लगाकर भुगतान कर डाला। शिकायतकर्ता ने उक्त मामले से परिषद् की अध्यक्ष सहित वर्तमान सीएमओ संजय वाल्मीकि को अवगत कराया हैं।

कोरोना कर्मवीर योद्धा के रूप में पुलिसकर्मी हुए सम्मानित

बल्देवगढ़,देशबन्धु। थाना परिसर में थाना प्रभारी मनोज सोनी एवं तहसीलदार अरविंद यादव के द्वारा कोरोना काल में अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की मदद करने वाले पुलिसकर्मियों को कर्मवीर योद्धा के रूप में सम्मानित किया गया। जिसमें पुलिस उप निरीक्षक जेएन भगत, सहायक उप निरीक्षक लीलाधर गौंड, सुहागचंद्र अहिरवार, प्रधान आरक्षक दीपक गंगेले, अजीमुद्दीन खान,मुकेश राय आरक्षक सुनील अहिरवार महिला आरक्षक रिया जैन सहित 18 पुलिसकर्मियों को कर्मवीर योद्धा के रूप में सम्मानित किया गया जिन्हें मेडल एवं प्रशस्त्री पत्र के साथ सम्मानित किया गया।

1 अप्रैल से 31 दिसंबर तक महाभियान का होगा आयोजन

टीकमगढ़, देशबन्धु। समाज के चहुमुखी विकास में प्रयासरत प्रकृति सेवा संस्थान समिति के तत्वावधान में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 1 अप्रैल से 31 दिसंबर तक महा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। आगे जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष समाजसेवी महेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि भारतीय संस्कृति का आधार गौ माता है। उनकी सुरक्षा व्यवस्था व पर्यावरण रक्षार्थ छात्र-छात्राओं सहित आम जनमानस को पौधारोपण करने के लिए प्रेरित करना साथ ही प्राकृतिक जल स्त्रोतों का संरक्षण और उनका संवर्धन, ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और उनके रखरखाव के लिए सार्थक प्रयास, योग एवं जैविक खेती का प्रचार प्रसार व सभी के सहयोग से किए जाएंगे। साथ ही जो आम जनमानस से सुझाव आएंगे। उनको शासन प्रशासन के समक्ष समाधान के लिए रखे जाएगे। जिसके तहत कार्यशालाएं, संगोष्ठीया, रेलिया सहित विभिन्न प्रकार के जनजागृति आयोजनों के माध्यम से आम जनमानस को प्रेरित कर जागृत किया जाएगा।

सड़क हादसे में 2 घायल

जतारा, देशबन्धु। जतारा मऊरानीपुर मार्ग पर गत रात्रि में दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गया है। प्रदीप सिंह घोष ताल लिधौरा जतारा-मऊरानीपुर मार्ग होरी ऐजेंसी के सामने दो बाइकों की जोरदार भिड़ंत हो गई है। जैसे ही यह नजारा वहां से निकलने वाले स्थानीय लोगों ने देखा तो 108 वाहन की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जतारा लाया गया है।, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल ऑफ्सिर डॉक्टर संजय कुशवाहा ने जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बताते चलें कि जतारा मऊरानीपुर मार्ग पर होरी ऐजेंसी के पास गत रात्रि में लगभग 7 के आसपास आदेश यादव पुत्र राजेन्द्र यादव निवासी दादपुरा जतारा से आटा पिसवाकर अपने गांव जा रहा था। तभी मऊरानीपुर की ओर से किसान प्रदीप सिंह घोष निवासी ताल लिधौरा अपनी बाइक से डीजल लेकर आ रहा था, तभी आमने-सामने दोनों बाइकों की जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसमें दोनों चालकों को गम्भीर रूप से घायल होने पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। तथा घटना की सूचना पुलिस को दी गई है।

दुकान मे चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

टीकमगढ़,देशबन्धु। फरियादी जितेन्द्र सिंह पिता जगदीश सिंह तोमर उम्र 21 साल नि.पलेरा ने रिपोर्ट किया कि रात्रि मे अज्ञात चोर उसकी दुकान की टपरी तोडकर दुकान मे रखे नये रेडीमेट कपडे,रंगीन तौलिया, शर्ट, सूट, फ्रोक, बच्चों के लोवर दुपट्टा आदि चोरी कर ले गया। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना पलेरा मे उक्त अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना मामले मे आरोपी शहजाद अली पिता आशिक अली उम्र 41 साल निवासी वार्ड नं 11 पलेरा से चोरी किया गया।

युवती परिजनों को बिना बताए घर से हुई लापता

टीकमगढ़, देशबन्धु। दिगौड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव से 18 वर्षीय युवती परिजनों को बिना बताए कहीं चली गई है। परिजनों ने इस घटना की रिपोर्ट पुलिस थाने में की गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करते हुए गुमशुदा युवती की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव से शनिवार की रात करीब 12 बजे 18 वर्षीय युवती अपने घर से परिजनों को बिना बताए कहीं चली गई है। परिजनों ने युवती को आसपास व रिश्तेदारी में तलाश किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। परिजनों ने पुलिस को बताया है कि युवती रात को खाना खाकर कमरे में जाकर सो गई थी। रात करीब 12 बजे कमरे में जाकर देखा तो युवती नहीं मिली। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर गुमशुदा युवती की तलाश शुरू कर दी है।

21 साल का युवक दिगौड़ा से लापता

टीकमगढ़, देशबन्धु। दिगौड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत देवखा गांव से 21 वर्षीय युवक परिजनों को बिना बताए कहीं चला गया है। परिजनों ने आज पुलिस थाने में घटना की रिपोर्ट की गई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करते हुए लापता युवक की तलाश शुरू कर दी। दिगौड़ा पुलिस ने बताया है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत देवखा गांव से 25 मार्च की दोपहर करीब 3 बजे 21 वर्षीय युवक अंकुल घोष घर से दिगौड़ा की कहकर गया था, जो रात तक वापिस अपने घर नहीं लौटा। परिजनों ने युवक को आसपास व रिश्तेदारी में तलाश किया, लेकिन आज तक कोई जानकारी नहीं मिली। फरियादी पिता कमलेश घोष की रिपोर्ट पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर लापता युवक की तलाश शुरू कर दी है।

संविदा और ठेका श्रमिक कर्मचारी संघ ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर की बैठक

टीकमगढ़, देशबन्धु। मध्य प्रदेश संविदा एवं ठेका श्रमिक कर्मचारी संघ इंटक के प्रदेश अध्यक्ष एलके दुबे के नेतृत्व में श्रमिक समस्याओं के निराकरण के लिए प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के निर्देशानुसार मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती नीता राठौर के साथ कार्यालय प्रबंध संचालक पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर सभागार में सौहार्दपूर्ण वातावरण में बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित रूप से सभी तकनीकी आई.टीआई एवं तारमिस्त्री प्रमाण पत्र प्राप्त लाइन कर्मचारियों को जोखिम भत्ता प्रदान करना और राष्ट्रीय एवं उत्सव अवकाश के दिवस कार्य करने पर अतिरिक्त वेतन देने, द्वेष भावना एवं सतना वृत्त अंतर्गत निजी हित लाभ के लिए आउटसोर्स कर्मचारियों को सेवा से पृथक किया जा रहा है इस तरह की कार्यवाही पर रोक लगाई जाने, सतना वृत्त अंतर्गत कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को वर्ष 2023-24 में 50 वर्ष आयु सीमा का हवाला देकर कार्य से पृथक कर दिया गया था, उक्त कर्मचारियों को वापस कार्य पर रखा रखने, फील्ड में कार्यरत तकनीकी संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को वाहन भत्ता दिए जाने ,उपकेद्रों का संधारण कार्य करवाए जाने, तार मिस्त्री परीक्षा पास अकुशल आउटसोर्स कर्मचारियों को कुशल श्रमिक का दर्जा दिए जाए। साथ-साथ आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा निवृत आयु कंपनी के नियमित कर्मचारियों की तरह 62 वर्ष में की जाने हेतु इस संबंध में कर्मचारियों को ईआरपी में दर्ज करने सहित अन्य 15 सूत्रीय मांगों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

त्योहारों को लेकर निकाला फ्लैग मार्च

लिधौरा, देशबन्धु। नगर में आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। लिधौरा थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में उक्त फ्लैग मार्च आगामी त्योहारों पर आमजन को सुरक्षा का विश्वास दिलाने एवं आपराधिक तत्वों में भय व्याप्त करने के लिए निकाला गया है। साथ ही आमजन से आगामी त्योहार शांति पूर्वक मनाने की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि अशांति फैलाने वालों पर कड़ी कार्यवाही होगी। इस दौरान थाना प्रभारी के साथ उनके अधीनस्थ कर्मचारी भी एक साथ कदमताल करते देखे गए।

झूलेलाल जयंती पर निकली शोभायात्रा, पूर्व विधायक गिरी ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

टीकमगढ़, देशबन्धु। रविवार के दिन शहर में हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष में जगह-जगह धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें पूर्व विधायक राकेश गिरी ने जगह-जगह कार्यक्रम में पहुंचकर शामिल होकर हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में स्थानीय अस्पताल चौराहे पर मध्यप्रदेश शिक्षक संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक राकेश गिरी शामिल हुए। जहां पूर्व विधायक राकेश गिरी ने सभी को केसर तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इसके अलावा हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में हिंदू उत्सव समिति द्वारा होमगार्ड स्थित हनुमान मंदिर पर आयोजित सुंदरकांड पाठ भंडारे में पूर्व विधायक राकेश गिरी ने पहुंचकर हनुमान के दर्शन किए। साथ ही भंडारे में शामिल होकर पूर्ण लाभ अर्जित किया। इस दौरान हिंदू उत्सव समिति द्वारा पूर्व विधायक राकेश गिरी का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं रविवार के दिन सिंधी समाज द्वारा झूलेलाल जयंती बड़े ही धूमधाम एवं हर उल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान पूर्व विधायक राकेश गिरी ने सिंधी धर्मशाला पर स्थित झूलेलाल जी के मंदिर पहुंचकर दर्शन किए साथ ही लोगों को प्रसाद वितरण किया। वहीं शाम के समय सिंधी समाज द्वारा शहर में झूलेलाल जयंती के अवसर पर जुलूस निकला गया। जिसका पूर्व विधायक राकेश गिरी ने अपने समर्थकों के साथ स्थानीय कटरा बाजार में पुष्प वर्षा कर जुलूस का भव्य स्वागत बंधन किया। साथ ही सिंधी समाज के लोगों को झूलेलाल जयंती की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जुलूस में सिंधी समाज के सैकड़ो लोग एवं महिलाएं मौजूद रही।

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ शुभारंभ

नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों तथा जल स्त्रोतों की सफाई

टीकमगढ़, देशबन्धु। शासन के आदेशानुसार तथा कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देशन में प्रदेश के साथ ही जिले में भी आज जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 30 मार्च से 30 जून तक आयोजित किया जायेगा। अभियान अंतर्गत जिले की सभी नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्त्रोतों के संरक्षण और स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से तालाबों तथा जल स्त्रोतों की साफ-सफाई की गई। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्वंय-सेवी संस्थाओं, जन अभियान परिषद के सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जल स्त्रोतों की सफाई के लिए श्रमदान किया गया। इस दौरान कलेक्टर श्री श्रोत्रिय ने सभी नागरिकों से भी अपील की कि वे जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान दें और अभियान के दौरान इसे जन आंदोलन बनाएं।

उल्लेनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरचनाओं के निर्माण एवं पुनर्जीवन नये जल संशाधनों, तालाब, बावड़ी, सरोवर का निर्माण कर पुरानी जल संरचनाओं की सफाई नर्मदा नदी के किनारे, धार्मिक स्थलों के पास जल संरचनाओं की साफ-सफाई, मरम्मत और जीर्णोद्धार का कार्य किया जाएगा। पंचायत स्तर पर तालाबों के निर्माण, वन्य जीवों के लिए वन क्षेत्र और प्राणी उद्यानों में जल संरचनाओं के पुनर्विकास के कार्य किये जायेंगे। लघु एवं सीमांत किसानों के लिए नए खेत व तालाब बनाए जाएंगे। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जल स्त्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग नए तालाबों का निर्माण करेगा। नदियों के वॉटर शेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य होंगे। साथ ही नदियों की जल धाराओं को जीवित रखने के लिए गेबियन संरचना, ट्रेंच, पौधरोपण, चेकडैम और तालाब निर्माण पर जोर दिया जायेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी चौपाल आयोजित होंगी। स्थानीय लोगों को जल संरचनाओं के रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। प्रत्येक गांव से 2 से 3 महिला-पुरुष का चयन कर जलदूत भी तैयार किए जाएंगे। सीवेज का गंदा पानी जल स्त्रोतों में न मिले, इसके लिए सोख पिट निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। नहरों के संरक्षण, जलाशयों से रिसाव रोकने, तालाबों की पिचिंग, बैराज मरम्मत कार्य होंगे। नगरीय विकास एवं आवास विभाग भी जल संरचनाओं के संवर्धन का कार्य करेगा। नहरों को मार्क कर विलेज मैप पर शासकीय नहर के रूप में अंकित किया जाएगा। बांध तथा नहरों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। लंबी नहर प्रणाली के सफाई कार्य भी होंगे। फ्लशबार की मरम्मत कार्य किए जाएंगे। स्लूस वैल की सफाई कार्य भी इसी अभियान के दौरान होंगे। जल सम्मेलन, जल परंपराओं पर आख्यान, चित्र प्रदर्शनी समेत विभिन्न आयोजन किये जायेंगे।

विक्रम संवत कोटि सूर्योपासना कार्यक्रम पीजी कॉलेज में हुआ आयोजित

नवसंवत्सर वैज्ञानिक दृष्टि से बना नववर्षः लोधी

दमोह देशबन्धु। विक्रमोत्सव, सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 कोटि सूर्योपासना कार्यक्रम का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी की गरिमामय मौजूदगी में किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने 2082 की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा ,आज, हिंदू नववर्ष के रूप में भी हम इसे मानते हैं, इसके साथ-साथ नव संवत्सर भी है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन यह नव संवत्सर प्रारंभ होता है। हमारा नव वर्ष बड़े ही वैज्ञानिक दृष्टि से बनाया गया है, जब हमारा नववर्ष प्रारंभ होता है तब प्रकृति एक नया श्रृंगार करती है। पेड़ों में नए पत्ते आ जाते हैं, नई फसल आ जाती है। कहते हैं इसी दिन भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी, यह सृष्टि आरंभ का दिन है, सारे संवतों का यह प्रारंभ दिन है। हिंदू नववर्ष अपने आप में एक विशेष महत्व रखने वाला नववर्ष है। यह अपनी भारतीय संस्कृति को, सनातन संस्कृति को प्रकट करने वाला नववर्ष है। यह नववर्ष रात के 12 बजे से शुरू नहीं होता है, यह नव वर्ष जब सूर्य की किरण प्रारंभ होती है तब यह नववर्ष प्रारंभ होता है। उन्होंने कहा कि अभी हमने परम पवित्र भगवा ध्वज का भी पूजन किया है, यह ध्वज कहीं ना कहीं जब सूर्य की किरण उदित होती है तो जिस प्रकार से आसमान में जो रंग दिखाई देता है वही हमें भगवा रंग ध्वज में दिखाई देता है। हमारे पूर्वजों ने इस ध्वज को संस्कृति का प्रतीक माना है, इतिहास में हमारे पूर्वजों ने जितना भी संघर्ष किया, उस युद्ध में धर्म ध्वज के रूप में यह परम पवित्र भगवा ध्वज विजय का प्रतीक रहा है। आज हमने इस ध्वज का पूजन कर सनातन संस्कृति को प्रकट करने का काम किया है, इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने विक्रम उत्सव के माध्यम से यह नई परंपरा शुरू की है इस परंपरा के माध्यम से कहीं ना कहीं हम अपनी संस्कृति पर गौरव कर सकते हैं, हम अपने पूर्वजों पर गौरव कर सकते हैं। हमारा जो नव वर्ष है चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, इस दिन से हमने हर काम शुरू किया है।

मध्य प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा -आज के दिन से सृष्टि की शुरुआत थी और अपने यहां एक नए कार्यक्रम की शुरुआत हुई है। प्रदेश के भीतर उज्जैन से जहां भगवान श्री कृष्ण ने दीक्षा ली थी, वहां के विक्रम संवत और विक्रमादित्य के पुरुषार्थ की कहानियों को आमजन तक कैसे सुविधा पूर्ण पहुंचाएं ? जो नेतृत्व करता है ,वह अनेक कष्ट सहकर गरीब लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते थे, ऐसे महाराज पुरुष थे महाराजा सम्राट विक्रमादित्य। निश्चित रूप से उनके कारण हमारे देश की गरिमा और बढ़ेगी यह अद्भुत कार्यक्रम है इसके लिए मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देते हैं। उन्होंने अपनी परंपरा को पुनः जीवित करने की शुरुआत की है।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने सभी को नव वर्ष की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देते हुए कहा, चैत्र शुक्ल प्रतिपदा है, नव वर्ष का प्रारंभ हुआ है। आज सुबह बेला ताल पर ब्रह्म मुहूर्त में ध्वजा स्थापित किया गया और पूजा अर्चना की गई। उसके बाद मुख्य कार्यक्रम पीजी कॉलेज दमोह में आयोजित किया गया, जिसमें राजीव अयाची जी के निर्देशन में बहुत सुंदर नृत्य नाटिका महाराजा सम्राट विक्रमादित्य के ऊपर मंचित की गई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे, जनपद अध्यक्ष ठाकुर सहित जन प्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, गायत्री परिवारजन, छात्र-छात्राएं एवं सम्माननीय मीडियाजन मौजूद रहे।

जल संवर्धन अभियानः 5 सौ वर्ष पूर्व बनी बावड़ी की सफाई

दमोह/तेंदूखेड़ा देशबन्धु। तेजगढ़ में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 500 वर्षों से अधिक पुरानी बावड़ी के सफाई एवं जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नितेंद्र सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने स्वयं श्रमदान कर अभियान की शुरुआत की और जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। यह अभियान केवल तेजगढ़ क्षेत्र ही नहीं, बल्कि समूचे प्रदेश की प्राचीन धरोहरों एवं जल संरचनाओं को सहेजने, संवारने एवं पुनर्जीवित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अवसर पर कई गणमान्य नागरिक हरि सिंह बट्टू यादव (बीडीसी), पूर्व मंडल अध्यक्ष भारत सिंह, देवेंद्र सिंह मालगुजार, वेडी सिंह तेजगढ़ मंडल अध्यक्ष, संग्राम सिंह डॉ. अनूप सिंह, जाहर सिंह सरपंच तेजगढ़, भोजराज जैन सरपंच दीनारी, विनजय जैन सरपंच, तेजगढ़, राजकुमार सिंह सरपंच कुलुवा, अखलेश सिंह, हेमेंद्र सिंह, राजीव बड़ेराय, गोलू सोनी, मनीष बागरी सीईओ जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा, एसडीओ, उपयंत्री, पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव,नवांकुर संस्था हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन के सदस्य, श्रमदान से जल संरक्षण के कार्य की सराहनीय पहल की। इस अभियान में जन अभियान परिषद एवं हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और श्रमदान के माध्यम से गाँव वासियों को प्रेरित किया। संस्था के अध्यक्ष कमलेश साहू, सचिव पवन यादव, दुर्गेश दुबे, लक्ष्मण सिंह लोधी सहित समस्त कार्यकर्ताओं ने इस पहल में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अखंड श्रीदुर्गा चालीसा पाठ संपन्न

दमोह/हटा देशबन्धु। उपकाशी नगरी हटा में 24 घंटे का ब्लाक स्तरीय अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ संपन्न हुआ। जिसमें सबसे पहले दुर्गा चालीसा पाठ में माता एवं गुरूवर के जयकारे, हरसिद्धि नामदेव एवं सुधा तंतुवाय ने लगवाएं। इसके बाद माता आदिशक्ति जगत जननी जगदम्बा व योगीराज शक्तिपुत्र महाराज की दिव्य आरती सम्पन्न हुई। ब्लॉक स्तरीय दुर्गा चालीसा पाठ में पंडित धर्मेंद्र पांडे हटा, संभागीय अध्यक्ष डॉ. सुजान सिंह ठाकुर, ओमवती अठिया, महेश गुप्ता, गुलाब सिंह ठाकुर, पटेरा ब्लॉक से मिलन पटेल, बटियागढ़ ब्लॉक से बबलू नायक रहे। वक्ताओं ने कहा कि- नशा नाश की जड़ है मांस का सेवन करने से इंद्रियां अपवित्र हो जातीहै। अंत में धर्मेंद्र पांडे ने आए हुए मां के भक्तों का आभार व्यक्त किया एवं उन्होंने आग्रह किया कि जिस जगह मां, गुरुवर का गुणगान होता है वहां पर बहुत बड़ी चेतना तरंगे आ जाती है इसलिए हटा उपकाशी नगरी के लोग मां गुरुवर से जुड़े और अपने घर में मां की जोत जलाएं।

महात्मा ज्योतिबा फुले एवं डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती को लेकर हुई बैठक

दमोह देशबन्धु। पुरानी नगर पालिका देवी के मंदिर प्रांगण में राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबा फुले एवं बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर जन्म जयंती एक साथ मनाये जाने हेतु बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समाज के गणमान्य नागारिकों द्वारा अपने- अपने सुझाव प्रस्तुत किये गए। सभी ने तन मन धन से सहयोग करने की बात कही एवं जयंती को भव्य रूपय से मनाये जाने हेतु अपनी सहमति प्रदान की। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री हेतराम आदर्श द्वारा सभी से सहयोग एवं कार्यक्रम को सफल बनाये जाने हेतु बात कही गई। बैठक की अध्यक्षता हिम्मत प्रसाद अहिरवाल ने की। प्रताप रोहित ने जयंती को शांति से मनाये जाने हेतु सुझाव दिये। बैठक में डॉ.मोहन आदर्श, अशोक भारती, सुरेश चन्द्र भावे, श्याम रोहित, टीआर जाटव, धनीराम भण्डारी, रिंकू चौधरी, मुन्नीलाल, बीएल रोहित, मदन सुमन, पीएल भारती, रामसेवक, फागूलाल, भूपसींग, अजय बौद्ध, भारत जाटव, हरिशचन्द्र, प्रीतम, रेवाराम, अजय जाटव, हरिराम, रामदयाल, एमएल अहिरवाल आदि की मुख्य रूप से उपस्थिति रहीं।

उद्यानिकी विभाग द्वारा कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

दमोह/हटा देशबन्धु। फ तेहपुर उद्यानिकी विभाग द्वारा राज्य योजना अंतर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण से भ्रमण का आयोजन ग्राम बरोदा कलां तहसील बटियागढ़ में आयोजित किया गया। जिसमें विभाग के अधिकारियों द्वारा कृषकों को विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई एवं नई तकनीक से उद्यानिकी खेती करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। साथ ही उचित भ्रमण कर ड्रिप मल्चिंग से खेती का अवलोकन कराया गया। उद्यानिकी विभाग में पदस्थ वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी प्रभारी देवेंद्र कुर्मी द्वारा विभाग की विभिन्न योजनाओं से किसानों को रूबरू करवाया गया । जिला रिसोर्स पर्सन के पद पर नियुक्त जितेंद्र प्रजापति द्वारा प्रधानमंत्री सूचना खाद्यान्न योजना अंतर्गत आवेदन एवं अनुदान लेने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । उद्यान विभाग के प्रभारी अधिकारी अजय द्विवेदी विकासखंड हटा के द्वारा उद्यान की तकनीक पर किसानों को विभिन्न जानकारियां प्रदान की गई ।

नाबालिग और महिला ने जहर खाया

दमोह/तेंदूखेड़ा देशबन्धु। नगर से लगे बम्होरी ग्राम की एक नाबालिग बालिका ने अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया जिसे गंभीर हालत में सामुदायिक केंद्र लाया गया जहां डाक्टरों ने बालिका के हालत गंभीर होने पर जबलपुर मेडिकल रेफर कर दिया। वहीं शाम को ग्राम दोनी निवासी 25 वर्षीय महिला ललता पति गणेश अहिरवार ने परिवार के ही दो छोटे बच्चों की लड़ाई होने पर धान में डालने वाला पाउडर खा लिया।

जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे सामुदायिक केंद्र लाए जहां डॉक्टर के उपचार के बाद महिला की हालत ठीक है । महिला ललता ने बताया कि मेरा लड़का और जठ का लड़का आपस में लड़ रहे थे गुस्से में मैने अपने लड़के और जेठ के लड़के को चांटा मार दिया जिससे मुझे शर्मिंदगी हुई और मैने धान में डालने वाला चिपकू पाउडर खा लिया । एस. आई. आर. के. गोस्वामी ने महिला का बयान लेकर परिजनों से भी पूछताछ की। महिला के स्वस्थ होने पर पुलिस ने मामला जांच में लिया है वहीं बालिका के मामले में जांच करने की बात कही है।

बूथ पर आयोजित कार्यक्रम में सुनीं प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

दमोह देशबन्धु। चैत शुक्ल पक्षप्रतिपदा के पावन अवसर पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम नया बाजार नंबर 5 के बूथ क्रमांक 121 और 122 पर अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष गणेश जाटव की अध्यक्षता में सुना गया। मुख्य अतिथि दमोह लोकसभा के सांसद राहुल सिंह लोधी रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत प्रतिनिधि गौरव पटेल, जिला महामंत्री गोपाल पटेल, नगर मंत्री संजय यादव, धर्मेंद्र पटेल सरपंच, राजीव साह, नर्मदा एकता दीदी, रिंकू गोस्वामी, मीडिया प्रभारी राघवेंद्र परिहार, नरेंद्र बजाज, मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया, श्याम विश्वकर्मा, मोंटी रैकवार, कृष्णा राज, राजुल चौराहा, पार्षद संजय पटेल, शाहिद रिजवी, अरविंद सिंह ठाकुर, बिहारी पटेल, प्रमोद विश्वकर्मा, सिकंदर खरारे, स्वप्निल प्यासी, सृजन असाटी, प्रदीप जाटव, गुलशन जाटव, संजय उपाध्याय, मुकेश नामदेव,

महेंद्र अहीरवाल, सुनील अहीरवाल, अजय अहीरवाल, पंकज पटेल, करन सूर्यवंशी, देवल कोरी, अशोक कंचन, सोनू आठया, राधा सोनी, रेखारानी, रश्मि चौबे, सहित वार्ड के लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष शाहिद रिजवी एवं आभार मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया के द्वारा किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ शुभारंभ, किया श्रमदान, निकाली कलश यात्रा

पन्ना ,देशबन्धु। शासन के निर्देशानुसार जिले में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान का आज जिले के विभिन्न स्थानों में शुभारंभ हुआ। जल संरक्षण के कार्यों में जन प्रतिनिधियों व आमजनों ने मिलकर अपनी सहभागिता निभाई। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में समारोह पूर्वक जल संरक्षण के कार्यों का शुभारंभ हुआ। जिला मुख्यालय पर स्थानीय श्री जुगल किशोर मंदिर परिसर से अभियान के शुभारंभ अवसर पर महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। जल संरक्षण के महत्व पर केन्द्रित तख्तियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इसके उपरांत मंदिर परिसर स्थित प्राचीन कुएं में सामूहिक रूप से कलश का जल अर्पण

किया गया। जिला स्तर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के शुभारंभ पर नगर के वार्ड क्रमांक 19 स्थित मठया तालाब में जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने जनसहभागिता से श्रमदान कर तालाब की सफाई में योगदान दिया। साथ ही सभी नागरिकों से जनसहभागिता के माध्यम से अभियान में जल स्रोतों के संरक्षण व संवर्धन के लिए अपील भी की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे, नपा अध्यक्ष मीना पाण्डेय सहित कलेक्टर सुरेश कुमार, जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, अतिरिक्त सीईओ अशोक चतुर्वेदी,परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार, सीएमओ शशि कपूर गढ़पाले, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद आनंद पाण्डेय ने श्रमदान किया। कार्यक्रम के दौरान जन अभियान परिषद के वॉलंटियर्स ने भी श्रमदान कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अतिथियों द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ0 मोहन यादव की पहल पर आज से शुरू हुआ प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान जल संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को संरक्षित करने में सहायक होगी।

न्यायाधीशों ने जेल का लिया जायजा

दमोह देशबन्धु। प्रधान जिला न्यायाधीश दमोह आनंद कुमार तिवारी ने जिला न्यायाधीश गणों क्रमशः जितेंद्र नारायण सिंह, राममनोहर सिंह दांगी, पंकज शर्मा और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ज्ञानेंद्र शुक्ला के साथ हटा उपजेल का औचक निरीक्षण किया और उपजेल में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। न्यायाधीशों ने उपजेल में बंदियों से चर्चा की। वहां कोई भी समस्या नही पाई गई। उपजेल में रसोई, बैरक, साफ-सफाई आदि का भी निरीक्षण किया गया। जिसमें व्यवस्थाएं ठीक पाई गई पूर्व के निरीक्षण

में जो निर्देश उपजेल प्रबंधन को दिए गए थे उनमें भी सुधार पाया गया। उपजेल में बागवानी कार्य की सराहना भी की गई। साथ ही न्यायाधीशों ने उपजेल अधीक्षक नागेंद्र सिंह चौधरी को आवश्यक निर्देश भी दिए।

प्राथमिक शाला सीएम राइज कैंपस 2 में एफएलएन मेला संपन्न

दमोह/पथरिया देशबन्धु। नगर में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला सीएम राइज 2 कैंपस पथरिया में एफएलएन मेला का शुभारंभ मां सरस्वती का चंदन तिलक लगाकर पुष्प माल अर्पित करते हुए दीप प्रज्वलित कर मेला प्रारंभ किया गया। गणमान्य लोगों, छात्रों की उपस्थिति में कक्षा पहली दूसरी के छात्रों का पंजीयन कराया गया। शारीरिक विकास,बौद्धिक विकास,भाषा विकास ,गणित की पूर्व तैयारी,बच्चों का कोना स्टाइल लगाकर बच्चों की माताओं अभिभावक के लिए समक्ष लगाए गए।

भारतीय संस्कृति से जुड़ाव और संरक्षण जरूरीः मीना राजे

विक्रम संवत के शुभारंभ पर हुआ विक्रमोत्सव का आयोजन

पन्ना,देशबन्धु। हिन्दू नववर्ष भारतीय संस्कृति एवं परंपरा से परिचित होने का बेहतर अवसर है। देश की संस्कृति से जुड़ाव और इसका संरक्षण आवश्यक है। भावी पीढ़ी भी इतिहास व सनातन परम्परा को समझे और जीवन में आत्मसात करे। यह बात जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे ने रविवार को भारतीय नववर्ष एवं विक्रम संवत 2082 के शुभारंभ अवसर पर श्री जुगल किशोर मंदिर परिसर में आयोजित विक्रमोत्सव 2025 के कार्यक्रम में कही। उन्होंने हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी देश की संस्कृति के विघटन से उसकी तरक्की संभव नहीं है। इस प्रकार के आयोजन से निश्चित ही गुलामी की मानसिकता से मुक्त होने और विरासत को आत्मसात करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि देश की संस्कृति में नक्षत्र, ग्रह और मुहूर्त एवं तिथियों का भी अलग महत्व है। गुड़ी पड़वा का पर्व एवं हिन्दू नववर्ष एक सामान्य त्यौहार नहीं, बल्कि नई ऊर्जा, नई उमंग, नए उत्साह का पर्व है। मध्य प्रदेश सरकार प्राचीन परंपरा,संस्कृति को सहेजने एवं संरक्षित करने का कार्य कर रही है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा धार्मिक स्थानों को पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि इस त्यौहार से प्राचीन परंपराओं, संस्कृति को समझने, सहेजने एवं संरक्षित करने का हमें मौका मिला है। अपनी पुरातन संस्कृति और परंपरा को कभी नहीं भूलना चाहिए।

नगर पालिका अध्यक्ष मीना पाण्डेय ने कहा कि आज हर्ष, आनंद एवं उत्सव का विषय है कि भारतीय परंपरा के मान बिंदुओं को स्थापित किया जा रहा है, उनके प्रति श्रद्धा को प्रेरित किया जा रहा है। यह नव वर्ष उत्साह,ऊर्जा और आनंद की अनुभति देता है। भारतीय नववर्ष प्रकृति एवं ऊर्जा के सकारात्मक पहलुओं को लेकर आता है। विक्रम संवत भारतीयों के लिए गौरव और मान का वर्ष है। कार्यक्रम में कलेक्टर सुरेश कुमार ने विक्रम सम्वत् की भूमिका का वाचन कर उपस्थितजनों को हिन्दू नववर्ष की बधाई दी।

भागवत कथा सत्य, धैर्य और समर्पण का महत्व सिखाती है: रामनयन

भागवत कथा के दूसरे दिन उमड़ी भक्तों की भीड़

दमोह/तेंदूखेड़ा देशबन्धु। गौरैया नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध बड़ी खेरमाई मंदिर में चल रहे श्रीमद् देवी भागवत कथा के आयोजन के दूसरे दिन आचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने यजमानों के द्वारा देवताओं का आह्वान किया गया। इसके पश्चात देवी देवताओं का पूजन पाठ अभिषेक किया गया साथ ही ग्रामाचार्य देवकरण तिवारी, रोहित पाठक और शिवकुमार पांडेय के द्वारा मंत्रोचारण किया गया। इसके बाद दोपहर तीन बजे से कथा का शुभारंभ हुआ। जिसमें भक्ति का अनुपम रंग बिखेरा। इस धार्मिक अनुष्ठान के दूसरे दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जो मां खेरमाई के प्रति उनकी अटूट आस्था और कथा के प्रति उत्साह को दर्शाती है। कथा के मंच से संगीतमय और भावपूर्ण कथा ने भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया, वहीं मंदिर का वातावरण भजनों और जयकारों से गूंज उठा। श्रीमद् देवी भागवत कथा के दूसरे दिन वृंदावन से पधारे राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता रामनयन महाराज ने मां दुर्गा की महिमा और

उनके विविध रूपों से जुड़े प्रसंगों को बड़े ही रोचक और भावनात्मक रूप से कथा का वाचन किया। कथा में देवी भागवत पुराण के उन अध्यायों पर प्रकाश डाला गया, जो नारी शक्ति, धर्म और अध्यात्म की गहराई को उजागर करते हैं। कथावाचक ने श्रद्धालुओं को बताया कि यह कथा न केवल भक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है, बल्कि जीवन में सत्य, धैर्य और समर्पण का महत्व भी सिखाती है। कथा के दौरान मां खेरमाई के चमत्कारों और उनकी कृपा से जुड़ी स्थानीय लोक कथाओं का भी जिक्र हुआ, जिसने श्रद्धालुओं के बीच विशेष उत्साह पैदा किया। कथावाचन के बीच-बीच में भक्ति भजनों की प्रस्तुति ने माहौल को और भी आध्यात्मिक बना दिया। जय माता दी, और खेरमाई माता की जय के उद्घोष से पूरा मंदिर परिसर का पंडाल गूंजायमान रहा।

दूसरे दिन कथा सुनने के लिए न केवल तेंदूखेड़ा बल्कि आसपास के गांवों और क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे । वैसे तो नवरात्रि में सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहता है मगर इस वर्ष कथा के इस आयोजन से अधिक संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है। दोपहर में महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी कथा के इस पवित्र आयोजन का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित दिखे। कई श्रद्धालु मां खेरमाई के दर्शन के बाद कथा स्थल पर बैठकर प्रसंगों को सुनते नजर आए।

आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि कथा, श्रोताओं और श्रद्धालुओं सभी को सुविधा प्रदान करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। मंदिर परिसर में बैठने की व्यवस्था के साथ-साथ पेयजल और छाया के लिए विशेष पंडाल टेंट की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, सुरक्षा के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन का सहयोग भी लिया जा रहा है, ताकि किसी भी तरह की असुविधा न हो। आयोजन समिति के राजू नामदेव, चंद्रशेखर हज़ारी, राजेश शर्मा, गोपाल सिंह ठाकुर, संतोष सिंह ठाकुर, कमलेश शर्मा, जितेन्द्र नामदेव, राकेश शर्मा सहित सभी सदस्य प्रतिदिन अपनी सेवाएँ दे रहे है। कार्यक्रम में वर्णित यजमान भूपत यादव पंचायत सचिव, शोभाराम नामदेव, मदन भैया सुधीर पटेरिया, उदयराम राय, बाला साहू, सुदामा साहू, हल्ले भाई यादव, बती बाई लोधी, अयोध्या बाई, कुसुम रानी साहू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सार-समाचार

झंडा व चुनरी यात्रा में विधायक हुए शामिल

सागर, देशबन्धु। रविवार को जय मां भवानी समिति रजाखेड़ी द्वारा नवरात्रि के पावन पर्व पर आयोजित भव्य झंडा एवं चुनरी यात्रा में विधायक प्रदीप लारिया शामिल हुये। विधायक ने मां बिजासन मंदिर रजाखेड़ी से आरंभ हुई चुनरी यात्रा के झंडा का विधिवत पूजा अर्चना कराकर यात्रा का शुभारंभ कराया। चुनरी यात्रा में बड़ी संख्या में मातृशक्ति, भक्तगण एवं धर्मप्रेमी नागरिक शामिल हुये। चुनरी यात्रा का विधायक कार्यालय सहित जगह-जगह स्वागत किया गया। यात्रा बीजासेन मंदिर से रजाखेड़ी बजरिया होते हुये अवधूत आश्रम बड़े मंदिर पर समाप्त हुई।

आधी रात तक वर्षा कान्हा और राधा के भक्ति गीतों का रस

सागर, देशबन्धु। लक्ष्मीपुरा चंपाबाग में श्री देव गोपाल लाल जी मंदिर के राधे-राधे संकीर्तन मंडल की प्रस्तुति ने आधी रात तक कान्हा और राधा के भक्ति गीतों की बारिश की। कार्यक्रम में समाजसेवी डॉ. सुरेशचंद्र रावत, डॉ. केके बक्शी, संतोष सोनी मारुति, अंकलेश्वर दुबे, गुरप्रीत सिंह, मुकुल पुरोहित का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। समाजसेवी सुरेश मोहनानी एवं सुनील मनवाणी ने राधे-राधे मंडल के सदस्यों का स्वागत किया। गोपाल कृष्ण बंधुवर द्वारा जब राधिका गोरी से करके इशारे बुलाई गई रे वृंदावन की छोरी जैसे गीतों की प्रस्तुति दी भक्ति रस में डूबकर रसिक प्रेमियों ने जमकर नृत्य किया। शाम 7 से शुरू हुआ कार्यक्रम आधी रात तक चला। डॉ. सुरेश चंद्र रावत ने सुख के सब साथी दुख में ना कोई गीत गाकर तालियां बटोरी। इसी क्रम में ऋषि विश्वकर्मा ने कान्हा के बहुत ही सुंदर गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के आयोजक विपिन दुबे ने बताया रंग और उमंग के महापर्व होली के उपलक्ष में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज से दिनकर तिवारी, विद्याभूषण तिवारी, मनीष देवलिया, रामकुमार साहू, नरेंद्र साहू, जयंत विश्वकर्मा, पुरुषोत्तम पांडेय, संजय जैन के अलावा कई रसिक प्रेमी शामिल हुये।

बाल साहित्य बच्चों के सीखने की बुनियाद है : रूपेश उपाध्याय

सागर, देशबन्धु। बाल साहित्य बच्चों के सीखने की बुनियाद है। यह बात अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय ने कही। वे अजीम प्रेमजी फाउंडेशन एवं शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पुस्तक मेला एवं साहित्य महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के तीसरे एवं समापन दिवस कार्यक्रम में पहुंचे अपर कलेक्टर ने बुंदेलखंड के इतिहास एवं साहित्य पर अपने विचार व्यक्त करते हुये आयोजन की प्रशंसा की। कार्यक्रम में संयुक्त संचालक शिक्षण विभाग से मनीष वर्मा ने अवलोकन किया एवं बच्चों के लिये उपलब्ध बाल साहित्य को बच्चों के लिये उपयोगी बताया उनके साथ ही शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारी एवं डायट प्राचार्य एवं महिला बाल विकास विभाग की समस्त अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुये। इस पूरे कार्यक्रम में सागर शिक्षा विभाग से शिक्षकों ने कहानी वाचन, गीत, पपेट शो एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की। इस दौरान श्यामलम संस्था के अध्यक्ष उमाकांत मिश्र द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को साहित्य संग्रह से कुछ संग्रह भेंट रूप दिये गये। कार्यक्रम में आरके तिवारी, टीकाराम त्रिपाठी, डॉ. चंचला दवे, नीलिमा पिंपलापुरे, कविता शुक्ला, बृजेश मिश्रा, डॉ. बीके श्रीवास्तव, डॉ. नागेश दुबे, शांभवी शुक्ला, आशीष द्विवेदी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

हार्वेस्टर की चपेट में आने से किसान की मौत

बीना, देशबन्धु। मंडीबामोरा पुलिस चौकी क्षेत्र के ऐरण गांव में हार्वेस्टर की चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई। हादसे में घायल किसान को स्थानीय लोगों ने पहले मंडीबामोरा पहुंचाया। जहां से गंभीर हालत में उसे रिफाइनरी अस्पताल रेफर किया गया। यहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना शनिवार देर रात हुई है। शव रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक किसान मनोहर पाल निवासी ऐरण गांव 4 दिन पहले हार्वेस्टर के एजेंट ईश्वर सिंह चौहान को डीजल के लिये 5 हजार रुपये उधार दिये थे। वह इन पैसों की वसूली और फिर खेत में हार्वेस्टर चलवाने के लिये लगातार संपर्क कर रहा था। इसे लेकर ही वह हार्वेस्टर चालक चौहान से मुलाकात करने गया था, इसी दौरान देर रात हादसा हो गया। इसी दौरान वह किसान मनोहर हार्वेस्टर की चपेट में आ गया। हादसे के बाद हार्वेस्टर का चालक और एजेंट मौके से फरार हो गया। मंडीबामोरा पुलिस चौकी से हेड कॉन्स्टेबल जोगिंदर सिंह ने अस्पताल पहुंचकर परिजनों के बयान दर्ज किये। चौकी प्रभारी मनोज राय के अनुसार प्राथमिक जांच में ऐसा लगता है कि हार्वेस्टर के रिवर्स होने के दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सरकार प्राचीन परंपरा, संस्कृति को सहेजने व संरक्षित करने का कार्य कर रही : गोविंद सिंह राजपूत

सागर, देशबन्धु। गुड़ी पड़वा का पर्व एवं हिन्दू नववर्ष एक सामान्य त्यौहार नहीं बल्कि नई ऊजा, नई उमंग, नये उत्साह का पर्व है। मप्र सरकार प्राचीन परंपरा, संस्कृति को सहेजने एवं संरक्षित करने का कार्य कर रही है। उक्त विचार मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने महाकवि पद्माकर सभागार में आयोजित विक्रमोत्सव 2025 सृष्टि आरंभ दिवस वर्ष प्रतिपदा विक्रम सम्वत् 2082 के शुभारंभ सूर्य उपासना कार्यक्रम में व्यक्त किये। मंत्री श्री राजपूत ने सभी प्रदेशवासियों को नव वर्ष और गुड़ी पड़वा तथा चेती चंद की शुभकामनायें देते हुये कहा कि आज के दिन यह त्यौहार कर्नाटक महाराष्ट्र में होली, दिवाली की तरह मनाया जाता है। हमें अपनी पुरानी संस्कृति और परंपरा को कभी नहीं भूलना चाहिये। भारतीय नववर्ष विक्रम संवत् को विदेशी आक्रांताओं से मुक्त कराने वाले उज्जयिनी के प्रतापी राजा सम्राट विक्रमादित्य की महाविजय और राष्ट्र गौरव की पुनस्थापना का कालजयी अभिनंदन है, जो हमें एक नई ऊर्जा और आत्मविश्वास से भर देता है। वैसे भी लोक इतिहास को अपने ढंग से संजोता और संरक्षित करता है। आज भी हमारे सभी तीज त्यौहार, संस्कार व ज्योतिष गणनायें ज्यादातर विक्रम संवत् के हिसाब से ही होती हैं न कि शक सम्वत् से। इसका सीधा अर्थ यही है कि आज भी विक्रम संवत् सर्वमान्य है। विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि विक्रम संवत पर आधारित प्रदर्श की गई पुस्तिका में अनेक उपयोगी जानकारी एकत्र की गई है। उन्होंने सभी सागर वासियों को नववर्ष की बधाई दी। आज हर्ष, आनंद उत्सव का विषय है कि भारतीय परंपरा के मान बिंदुओं को स्थापित किया जा रहा है, उनके प्रति श्रद्धा को प्रेरित किया जा रहा है। यह नव वर्ष उत्साह, ऊर्जा और आनंद की अनुभति देता है। भारतीय नव वर्ष प्रकृति एवं ऊर्जा के सकारात्मक पहलुओं को लेकर आता है। विक्रम संवत् भारतीयों के लिए गौरव और मान का वर्ष है। कार्यक्रम में राजा विक्रमादित्य के नाटक का मंचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमर कुमार जैन ने और आभार संयुक्त कलेक्टर एवं कार्यक्रम की नोडल अधिकारी आरती यादव ने माना। इस अवसर पर पप्पू फुसकेले, कलेक्टर संदीप जीआर, अपर कलेक्टर रुपेश उपाध्याय, एसडीएम अदिति यादव, तहसीलदार सुनील शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन, महिला बाल विकास अधिकारी बृजेश त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में जन समूह उपस्थित था।

आगजनी से खेत में जली फसल का विधायक ने लिया जायजा

सागर, देशबन्धु। ग्राम ईशुरवारा में विगत दिवस पूर्व सरपंच महेश विश्वकर्मा की गेहूं की खड़ी फसल में भीषण आग लगने से जलकर खाक होने की सूचना पर रविवार को विधायक प्रदीप लारिया मौका मुआयना करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से आगजनी से हुये नुकसान के बारे में जानकारी ली और घटना के कारणों की भी जानकारी लेने का प्रयास किया। पीड़ित महेश विश्वकर्मा ने बताया कि कड़ी मेहनत से खेत में गेहूं की फसल को उगाया था। फसल खेत में तैयार खड़ी थी। अपने घर ले जाने की तैयारी में जुटे थे लेकिन अचानक ही आग लगने से फसल नष्ट हो गई। विधायक ने फसल के नुकसान को लेकर दुख व्यक्त किया और मौके पर मौजूद हल्का पटवारी रावत को निर्देशित किया कि किसान की फसल के नुकसान होने का आकलन करें और सरकारी नियमानुसार उन्हें मुआवजा दिलाया जाये। किसान को सरकारी प्रावधान के मुताबिक मुआवजा मिलना चाहिये। इस अवसर पर सोहन लोधी, कृष्ण मुरारी यादव, ओमहरि पांडे, नारद यादव, शोभाराम साहू, राम सिंह यादव, रामजी राजपूत सहित स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

लकड़ी टाल में लगी आग, 15 फीट ऊंची उठीं आग की लपटें

सागर, देशबन्धु। तिलकगंज इलाके में झूला तिराहे के पास रविवार सुबह करीब 4 बजे अचानक लकड़ी के टाल में आग लग गई। आग का धुआ और लपटें उठती देख आसपास के लोग जागे और उन्होंने तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फायर फाइटर गाड़ियों को बुलाया गया। आग बुझाने की मशक्कत शुरू की गई। लेकिन देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। चारों तरफ धुआ ही धुआ फैल गया। लोगों की भीड़ जमा हुई। नगर निगम, नगर पालिका और सेना की फायर गाड़ियों की मदद से करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। दरअसल झूला तिराहे पर हरविंदर सिंह का लकड़ी का टाल है। टाल में बड़ी मात्रा में लकड़ी रखी थी। सुबह अचानक से टाल में आग लगी। सुबह का समय होने से कोई था नहीं, इसलिये आग ने भीषण रूप ले लिया। आग देख आसपास के घरों में रहने वाले लोग बाहर आ गये। फायर फाइटर गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। गनीमत है किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर नुकसानी का पंचनामा बनाया है।

प्रवेश उत्सव में सभी शालाओं में शत प्रतिशत कराये विद्यार्थियों के प्रवेश: कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जी आर ने प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में सभी शालाओं में शत प्रतिशत विद्यार्थियों के प्रवेश कराने एवं शासन के निर्देशों का पालन कर स्कूल चलें अभियान का शुभारंभ करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी अभिभावकों से आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कर प्रवेश प्रक्रिया को संपन्न कराने के लिये कहा। कलेक्टर ने समस्त विद्यालयों के प्राचार्य सहित स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 1 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले नवीन सत्र के शुभारंभ पर सभी स्कूलों में प्रवेश उत्सव आयोजित किया जायें। जिसमें जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जावे। उन्होंने कहा कि सभी दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराने से उनके सभी कार्य समय पर होंगे जैसे कि छात्रवृत्ति, गणवेश, नि:शुल्क साइकिल वितरण, पाठ्य पुस्तक वितरण, स्कूटी, लैपटॉप वितरण सहित शासन की अन्य योजनाओं का लाभ भी विद्यार्थियों को समय पर मिल सकेगा। सभी अभिभावक अपने-अपने बच्चों के बैंक खाते भी अपडेट करके रखें जिससे उनके बैंक खाते में स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा जारी योजनाओं की राशि हस्तांतरित की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि 6 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले चिन्हित किये गये बच्चे स्कूलों में प्रवेश लेने से वंचित न रहें, चिन्हित सभी बच्चों का शाला में प्रवेश कराया जाये।

दुकान में घुसकर चोरी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। 6 मार्च को फरियादी सुमित पिता रमेश साहू उम्र 26 साल निवासी शास्त्री वार्ड ने रिपोर्ट लेख कराई कि 27 फरवरी के रात करीब 8 बजे मैं अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था 28 फरवरी के सुबह 7 बजे करीब मैंने अपनी दुकान पर जाकर देखा तो मेरी दुकान के ताले टूटे थे दुकान के अंदर जाकर देखा तो पूरा सामान बिखरा हुआ था दुकान में रखे ब्लूटूथ, ईयर फोन, लेपटॉप स्टेण्ड, टार्च, डीव्हीआर हार्डडिस्क कीमत करीब 70 हजार रूपये का नही मिले की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। दौरान विवेचना प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर प्रभावी कार्यवाही करते हुये मुखबिर सूचना तंत्र स्थापित कर आरोपी हर्ष उर्फप्रिंस पिता दिलीप सिंह राजपूत उम्र 22 साल निवासी कॉलेज तिग्गडा नं. 1 स्कूल के सामने बीना जिला सागर को 29 मार्च को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई जिसने अपराध करना स्वीकार किया तथा चोरी की गई संपत्ति ब्लूटूथ, डीव्हीआर कीमत करीब 70 हजार रूपये की जप्ती की गई, आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया। उक्त कार्यवाही में निरी. जसवंत राजपूत थाना प्रभारी मोतीनगर, जयचंद्र यादव, अरूण दुबे, प्रमोद बागरी, जयसिंह राजपूत, लखन, सत्येन्द्र सिंह, सुनील लोधी, बद्री सिंह की भूमिका रही।

वैश्य समाज ने हिन्दू नववर्ष पर निकाली चेतना रैली

सागर, देशबन्धु। हिन्दू नववर्ष के उपलक्ष्य में वैश्य महासम्मेलन सागर द्वारा वैश्य चेतना रैली का आयोजन किया गया। रैली को आयोजन के मुख्य अतिथि एवं संरक्षक विधायक शैलेन्द्र जैन ने झंडी दिखाकर रवाना किया। विधायक जैन ने वैश्य समाज के सामाजिक प्रकल्पों में सहयोग की सराहना करते हुये लोकहित में ऐसे आयोजन करते रहने की बात करते हुये सहयोग करने की बात कही। इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक देश एक चुनाव के प्रस्ताव का समर्थन करते हुये सभी ने विधायक के नेतृत्व में सर्वसम्मति से हाथ उठाकर समर्थन किया। कार्यक्रम में वैश्य महासम्मेलन सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले वरिष्ठ सदस्य धन्नालाल ताम्रकार, लालजी ददरया, सुरेश डेंगरे, सुख जीवन सोनी, स्नेहलता साहू, विश्वाभा शाह का शैलेन्द्र जैन द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन मोहन अग्रवाल ने एवं आभार श्रेयांस जैन ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में जगन्नाथ गुरैया, विक्रम सोनी, हरिओम केसरवानी, मिश्री चंद गुप्ता, दीप्ति गुप्ता, अनीता जैन, विशाल जैन, नीलेश जैन आदि उपस्थित थे।

शोधार्थी साक्षी गौतम को मप्र युवा वैज्ञानिक सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार, मनोहर चौधरी को युवा वैज्ञानिक फेलोशिप

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के गणित एवं सांख्यिकी विभाग की शोध छात्रा साक्षी गौतम को एमपी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2025 का प्रथम पुरस्कार मिला है। विक्रमोत्सव के अंतर्गत 27 से 29 मार्च तक राष्ट्रीय युवा वैज्ञानिक सम्मेलन, विज्ञान उत्सव और 40 वां मप्र युवा वैज्ञानिक सम्मेलन, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस सम्मलेन में इस युवा वैज्ञानिक कांग्रेस में साक्षी गौतम को उनके शोध पत्र द्विघात स्थिरता फंक्शन के साथ नॉर्डसीक जनरल रैखिक विधि के नये वर्ग के उत्कृष्ट मौखिक वाचन के लिये युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2025 के लिये गणित विषय में प्रथम पुरुस्कार के लिये चयनित किया गया। साक्षी गौतम वर्तमान में गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. आर के पांडेय के निर्देशन में कठोर अवकल समीकरण के लिये विभिन्न न्यूमेरिकल मेथड के निर्माण विषय पर शोध कर रही हैं। इसमें पूरे मप्र के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों ने सहभागिता की थी। इस पुरुस्कार स्वरुप साक्षी गौतम को 25000 रुपये एवं प्रशस्ति पत्र, मुख्य अथिति डॉ. अनिल कोठारी महानिदेशक मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद एवं प्रो. अर्पण भारद्वाज कुलपति विक्रम विवि द्वारा प्रदान किया गया। इसी सम्मेलन में गणित विभाग के ही शोधार्थी मनोहर चौधरी को उनके शोध पत्र के लिये प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा युवा वैज्ञानिक फैलोशिप भी प्रदान की गई। साक्षी और मनोहर की इस उपलब्धि पर गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आर के गंगेले ने हर्ष व्यक्त करते हुये कहा कि यह उपलब्धि गणित विभाग के शोधार्थियों के लिये प्रेरणा का संचार करेगी। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने शोधार्थियों की इस उपलब्धि पर शुभकामनायें प्रेषित की।

70 वां साप्ताहिक नि:शुल्क शतरंज प्रशिक्षण संपन्न

सागर, देशबन्धु। रोटरी क्लब ऑफ सागर के रोटरी कम्युनिटी कॉर्प आरसीसी द्वारा आयोजित नि:शुल्क शतरंज प्रशिक्षण का 70 वां सत्र रविवार को कांची रेस्टोरेंट में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरसीसी सिविल लाइन उपाध्यक्ष प्रभात राणा ने बच्चों को संबोधित करते हुये कहा कि शतरंज दिमागी कसरत का एक बेहतर माध्यम है, जिससे बच्चों का मानसिक विकास होता है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुये कहा कि वे इस खेल को घर पर भी खेलें और अपने दोस्तों को भी खेलने के लिये प्रेरित करें, जिससे मोबाइल से दूरी बनाई जा सके। प्रशिक्षण का संचालन आरसीसी चेयरमैन रोटेरियन वीनू शमशेर जंग बहादुर राणा एड. की प्रेरणा से किया जा रहा है। प्रत्येक रविवार सुबह 10 बजे से 12 बजे तक यह नि:शुल्क प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है। इस सत्र में आरसीसी मधुकर शाह सदस्य अजय उपाध्याय, आयुष्मान सैनी, रूपेश और जानहवी की उपस्थिति में 5 बच्चों ने भागीदारी की। अजय उपाध्याय ने सभी अतिथियों और उपस्थित बच्चों का आभार व्यक्त किया।

विक्रम संवत 2082 के शुभारंभ पर नगरवासियों ने गंगा आरती, भजन संध्या और दीपदान के साथ मनाया नववर्ष

सागर, देशबन्धु। भारत के अभ्युदय की शुरुआत है विक्रम संवत 2082, हम अपनी संस्कृति और सभ्यता की ओर लौट रहे हैं। यह विचार विधायक शैलेंद्र जैन ने चकराघाट स्थित विट्ठल मंदिर के सामने आयोजित गंगा आरती, भजन संध्या और दीपदान के अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आज चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, गुड़ी पड़वा के अवसर पर हिंदू नववर्ष का शुभारंभ हो रहा है और यह शक्ति उपासना का पर्व है, जिससे हम स्वयं और नगर की प्रगति की कामना करते हैं। आयोजन में हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2082 के अवसर पर भजन संध्या, आतिशबाजी और 56 भोग का प्रसाद वितरण किया गया। गुड़ी पड़वा के अवसर पर वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के लिये 30 जून तक चलने वाले प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ विधायक शैलेंद्र जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी और निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने किया। इस अभियान के अंतर्गत शहर के जल संरचनाओं की सफाई और संरक्षण के कार्य किये जायेंगे, जिससे भूजल स्तर को बनाये रखा जा सके। गर्मी में पक्षियों को जल उपलब्ध कराने के लिये इस अवसर पर दीपदान के साथ सकोरे भी वितरित किये गये। इस अवसर पर आयोजित भजन संध्या में भक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के अंत में आतिशबाजी के साथ नगरवासियों ने हिंदू नववर्ष का हर्षोल्लास से स्वागत किया। विधायक ने सभी नगरवासियों को नववर्ष की बधाई और शुभकामनायें देते हुये कहा कि अब प्रतिवर्ष इस नववर्ष उत्सव को भव्य रूप में मनाने का संकल्प लें। कार्यक्रम में नगर निगम के पार्षद, भाजपा पदाधिकारी, नगर निगम अधिकारी, कर्मचारी और शहर के प्रबुद्ध नागरिकों ने सहभागिता की।

योग हमारी दिनचर्या का नियमित हिस्सा बने: विष्णु आर्य

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के अभिमंच सभागार में वरिष्ठ नागरिकों के लिये दो दिवसीय राज्यस्तरीय सम्मेलन के दूसरे दिन कई सत्रों का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र में योग गुरु विष्णु आर्य ने विस्तार से योग शिक्षा और संस्कारों की आवश्यकता और आज की बदलती दिनचर्या, खानपान और मोबाइल के अति प्रयोग ने युवा, प्रौढ़ और वृद्ध जनों सभी में स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बताया। उन्होंने कहा कि आज के समय में योग हमारी दिनचर्या का नियमित हिस्सा होना चाहिये। डॉ. ज्ञानेश तिवारी ने मानसिक स्वास्थ्य में आ रही गिरावट के साथ ही उससे निपटने का उपाय बताया। मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य परामर्श शिविर भी लगाया। डॉ. रेखा कालिया भारद्वाज ने सकारात्मक सोच के माध्यम से जीवन में सकारात्मकता लाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उम्र महज एक अंक है। हम खान पान में बदलाव लाकर अपने स्वास्थ्य में सुधार ला सकते हैं। विवि के संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि मनोबल को हमेशा ऊंचा बनाये रखें। अपने बच्चों को संस्कारवान बनायें। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित सरकार की कई योजनाओं की, अधिनियमों की, मेटिनेन्स, चिकित्सा इत्यादि के बारे में अवगत कराया। पेंशनर्स एशोसिएशन के जिला प्रमुख हरिओम पाण्डेय ने कहा कि वरिष्ठ जनों का एक संगठन आवश्यक है। सरकार से हम अपनी अपेक्षायें रख सकते हैं। हम अपने लिए अपनी बात सरकार से कह सकते हैं। सामजिक न्याय विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. धनसिंह यादव ने कहा कि विकसित भारत के लिये मन को विकसित करना जरूरी है, वरिष्ठ नागरिक ज्ञान के भंडार हैं। युवा और वरिष्ठों के बीच संवाद की कमी है। एड. वीनू राणा ने वृद्ध जनों से संबंधित कई कानूनी पहलूओं पर चर्चा की। अध्यक्षता करते हुये अपर जिला मजिस्ट्रेट रुपेश उपाध्याय ने कहा कि समाज में वरिष्ठ जनों को लेकर जो व्याप्त स्थिति है उसको दूर करने के प्रयास करने चाहिये। समाज के बिखरे ताने बाने को संजीदा बनाते हुये सामजिक बनावट को नये तरीके से गढ़ने की आवश्यकता है। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एसपी व्यास, विशिष्ट अतिथि डीएवी विवि जालंधर की पूर्व कुलसचिव डॉ. रेखा कालिया भारद्वाज एवं अध्यक्षता विवि की सेवानिवृत प्रो. अर्चना पांडे ने की। स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम के संयोजक प्रो. विनोद भारद्वाज ने दिया। दो दिन तक चले इस सम्मेलन का प्रतिवेदन डॉ. ऋतु यादव ने प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों द्वारा फीडबैक भी प्रस्तुत किया गया। प्रो एसपी व्यास ने कहा कि मनुष्य क्या है, इसे हम सबको समझने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राज बहादुर अनुरागी ने किया। आभार ज्ञापन डॉ. संजय शर्मा ने किया।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।